फाल्गुन कृष्ण - 13 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 212 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 26-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 असम की अर्थव्यवस्था 2030 तक 143 अरब अमेरिकी डॉलर की होगी : हिमंत

6 आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण त्यौहार है महाशिवरात्रि

7 नीविया इंडिया ने सामंथा को बनाया अपना नया ब्रांड एंबेसडर

## फर्स्ट टेक

### इंडिगो दिल्ली-बैंकॉक मार्ग पर बोइंग 787-9 विमान का परिचालन करेगी

नई दिल्ली/भाषा। इंडिगो एक मार्च से दिल्ली-बैंकॉक मार्ग पर पट्टे पर लिए गए बड़े आकार वाले बोइंग 787-9 विमान का परिचालन शुरू करेगी। इसके अलावा एयरलाइन और अधिक विमानों को पट्टे पर लेने के मौकों की तलाश करेगी। बढ़ती हवाई यातायात मांग को पूरा करने के लिए, एयरलाइन ने ए-321 एक्सएलआर, जिनकी रेंज अधिक है और ए-350 की डिलिवरी लेने से पहले अस्थायी रूप से नॉर्स अटलांटिक से एक बोइंग 787-9 विमान को शामिल किया है। इंडिगो ने एक महत्वाकांक्षी अंतरराष्ट्रीय विस्तार योजना शुरू की है और उसके द्वारा अगले वित्त वर्ष में ए-321 एक्सएलआर और वर्ष 2027 में बड़े आकार के ए-350 विमान को शामिल करने की उम्मीद है।

### कांगो अज्ञात बीमारी से 50 लोगों की मौत

किन्शासा (कांगो)/एपी। उत्तर-पश्चिमी कांगो में एक अज्ञात बीमारी से अब तक 50 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहां मौजूद डॉक्टरों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। क्षेत्रीय निगरानी केंद्र बिकोरो अस्पताल के चिकित्सा निदेशक सर्ज नगालेबेटो ने बताया कि अधिकतर मामलों में लक्षण प्रकट होने और मृत्यु के बीच का अंतर महज 48 घंटे का है, जो वास्तव में चिंताजनक है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इस बीमारी का प्रकोप 21 जनवरी को शुरू हुआ और अब तक 419 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से 53 लोगों की मौत हो चुकी है।

### उमर की टिप्पणी के बाद नेकां और विपक्षी दलों के बीच वाकयुद्ध

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कांन्फ्रेंस (नेकां) और विपक्षी दलों के बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की एक टिप्पणी के बाद वाकयुद्ध शुरू हो गया। उमर अब्दुल्ला ने अलगाववादी नेता मीरवाइज उमर फारूक की बढ़ी सुरक्षा को इस केंद्र शासित प्रदेश में अलगाववादी गतिविधियों में कमी से जोड़ा था। जहां पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और पीपुल्स कांन्फ्रेंस के नेताओं ने अब्दुल्ला पर पिछले साल के चुनाव के दौरान किए गए वादों से पलटने का आरोप लगाया, वहीं नेकां ने अपने नेता का बचाव किया और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विपक्ष पर 'आकाश से तारे तोड़ने जैसी' कवायद का आरोप लगाया। एक परिचर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि 2019 के बाद से (जम्मू-कश्मीर में) अलगाववादी गतिविधियों में कमी आई है।

26-02-2025 सूर्यास्त 6:28 बजे | 27-02-2025 सूर्योदय 6:38 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 74,602.12 (+147.71) | 22,547.55 (-5.8) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 9,070 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | 98,787रु. प्रति किलो |

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### झूठों की भरमार

कड़ी सजा का प्रावधान हो,
यदि फर्जी हो एफआइआर।
झूठा होवे यदि गवाह तो,
हो दोषी सम भागीदार।
मगर सबूतों पर आश्रित हैं,
सारे कानूनी हथियार।
कैसे करें फैसला सच पर,
जब हो झूठों की भरमार।।

## 1984 सिख विरोधी दंगा मामला

# पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अदालत ने 12 फरवरी को कुमार को अपराध के लिए दोषी ठहराया और मृत्युदंड की सजा वाले मामलों में ऐसी रिपोर्ट के अनुरोध के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय के आदेश के मद्देनजर तिहाड़ केंद्रीय जेल से कुमार के मानसिक एवं मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन पर रिपोर्ट मांगी। हत्या के अपराध में अधिकतम सजा मृत्युदंड होती है, जबकि न्यूनतम सजा आजीवन कारावास होती है।**

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगे से जुड़े हत्या के एक मामले में पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने एक नवंबर, 1984 को जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की कथित हत्या के मामले में यह फैसला सुनाया। इस संबंध में विस्तृत फैसले की प्रतीक्षा है।

अदालत ने 12 फरवरी को कुमार को अपराध के लिए दोषी ठहराया और मृत्युदंड की सजा वाले मामलों में ऐसी रिपोर्ट के अनुरोध के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय के आदेश के मद्देनजर तिहाड़ केंद्रीय जेल से कुमार के मानसिक एवं मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन पर रिपोर्ट मांगी। हत्या के अपराध में अधिकतम सजा मृत्युदंड होती है, जबकि न्यूनतम सजा आजीवन कारावास होती है। शिकायतकर्ता जसवंत की पत्नी और अभियोजन पक्ष ने कुमार के लिए मौत की सजा की मांग की थी। कुमार फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है।

पंजाबी बाग थाने ने इस संबंध में मामला दर्ज किया था हालांकि बाद में एक विशेष जांच दल ने जांच अपने हाथ में ले ली। अदालत ने 16 दिसंबर, 2021 को कुमार के खिलाफ आरोप तय किए और उनके खिलाफ ''प्रथम दृष्टया'' मामला पाया।

अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि घातक हथियारों से लैस एक बड़ी भीड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का बदला लेने के लिए बड़े पैमाने पर लूटपाट, आगजनी और सिखों की संपत्ति को नष्ट किया। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि भीड़ ने शिकायतकर्ता जसवंत की पत्नी के घर पर हमला किया, जिसमें सामान लूटने और उनके घर को आग लगाने के अलावा पुरुषों की हत्या कर दी गई। कुमार पर मुकदमा तब चलाया गया जब अदालत ने प्रथम दृष्टया इस राय के पक्ष में पर्याप्त सामग्री पाई कि वह न केवल एक भागीदार थे, बल्कि उन्होंने भीड़ का नेतृत्व भी किया था। हिंसा और उसके बाद की घटनाओं की जांच के लिए गठित नानावटी आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार दंगों के संबंध में दिल्ली में 587 प्राथमिकी दर्ज की गई थीं, जिसमें 2,733 लोग मारे गए थे। इनमें लगभग 240 प्राथमिकी को पुलिस ने ''अज्ञात'' बताकर बंद कर दिया और 250 मामलों में आरोपी बरी हो गए। 587 प्राथमिकी में से केवल 28 मामलों में ही सजा हुई और लगभग 400 लोगों को दोषी ठहराया गया। कुमार सहित लगभग 50 को हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था। उस वक्त एक प्रभावशाली कांग्रेस नेता और सांसद रहे कुमार पर 1984 में एक और दो नवंबर को दिल्ली की पालम कॉलोनी में पांच लोगों की हत्या के मामले में आरोप लगाया गया था। इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और सजा को चुनौती देने वाली उनकी अपील सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। कुमार को बरी किए जाने के अनुरोध और आजीवन कारावास के खिलाफ दो याचिकाएं क्रमशः दिल्ली उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं।

## असम स्टार्टअप का गंतव्य बन रहा है, जल्द ही पूर्वोत्तर के लिए विनिर्माण केंद्र बन जाएगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि असम स्टार्ट-अप का गंतव्य बन रहा है और जल्द ही यह पूर्वोत्तर क्षेत्र में विनिर्माण का केंद्र बन जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां एडवांटेज असम 2.0 निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन' का उद्घाटन करने के बाद कहा कि असम उग्रवादी समूहों के साथ शांति समझौते और सीमा विवादों के समाधान के बाद असीमित ''अवसरों की भूमि'' के रूप में उभरा है। मोदी ने कहा, असम शांति समझौतों और सुलझे हुए सीमा विवादों के बाद असीम अवसरों की भूमि है। राज्य विकास की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। असम के प्राकृतिक संसाधन और दक्षिण पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में इसकी रणनीतिक स्थिति ने इसे निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बना दिया है।

उन्होंने कहा, ''असम स्टार्ट-अप इकाइयों के लिए एक गंतव्य बन रहा है और यह जल्द ही पूर्वोत्तर के लिए एक विनिर्माण केंद्र बन जाएगा।'' मोदी ने साथ ही कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन के दौरान असम की अर्थव्यवस्था का मूल्य दोगुना होकर छह लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह 'डबल इंजन' सरकार का ही प्रभाव है। उन्होंने कहा, ''वैश्विक अस्थिरता के बीच, भारत की आर्थिक वृद्धि निश्चित बनी है।'' मोदी ने कहा कि नए मध्यम वर्ग में भी उम्मीद है, जो गरीबी से बाहर आ चुका है और जिसकी नई आकांक्षाएं हैं, जो देश को विकास के पथ पर आगे ले जाएंगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्थिरता, सुशासन और सुधारों ने भारत के प्रति दुनिया की उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

## भारत के रक्षा विनिर्माण में सुधार के लिए सेमीकंडक्टर नीति महत्वपूर्ण : नौसेना प्रमुख

मुंबई/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा है कि भारत की सेमीकंडक्टर नीति अर्थव्यवस्था के लिए नया ईंधन है और देश के रक्षा विनिर्माण में सुधार के लिए अहम है। एडमिरल त्रिपाठी ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निजी क्षेत्र भी आगे आए।

उन्होंने कहा, अगर भारत को आत्मनिर्भर बनना है तो निजी उद्योग को रक्षा विनिर्माण में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि रक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) योजना के वास्ते 450 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं जिसका उद्देश्य स्टार्टअप और लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) को नवाचार में मदद करना है। उन्होंने कहा, रक्षा मंत्रालय ने अपने आधुनिकीकरण बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा रक्षा उद्योग के लिए निर्धारित किया है, जो लगभग एक लाख करोड़ रुपये है। और इसमें से 25 प्रतिशत हिस्सा इस बजट में निजी रक्षा उद्योग के लिए निर्धारित किया गया है। इस वर्ष आईडीईएक्स योजना के लिए 450 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। नौसेना अध्यक्ष ने कहा, सेमीकंडक्टर नीति से सकारात्मक उम्मीदें हैं, खास तौर पर प्रौद्योगिकी आधारित नौसेना के लिए। यह नई नीति निश्चित रूप से नागरिक और रक्षा दोनों क्षेत्रों को लाभान्वित करेगी। यह अर्थव्यवस्था के लिए नया ईंधन है। उन्होंने नौसेना की भविष्य की प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उद्योग जगत के अग्रणी लोगों के साथ सहयोग का आह्वान किया।

## केंद्र भाषा युद्ध के बीज बो रहा है, तमिलनाडु पर हिंदी नहीं थोपने देंगे : स्टालिन

चेन्नई/भाषा। द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को केंद्र पर राज्य में हिंदी थोपकर भाषा 'युद्ध के बीज बोने' का आरोप लगाया और कहा कि हिंदी के वर्चस्व की अनुमति नहीं दी जाएगी।

स्टालिन ने कहा कि उनका राज्य किसी विशेष भाषा के खिलाफ नहीं है और किसी भी भाषा को सीखने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति के रास्ते में नहीं आएगा, लेकिन वह किसी भी अन्य भाषा को मातृभाषा तमिल पर हावी होने और उसे नष्ट करने की अनुमति नहीं देने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

स्टालिन ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित एक पत्र में कहा, यही कारण है कि हम द्विभाषी नीति (तमिल और अंग्रेजी) का पालन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत के कई राज्यों ने भाषा नीति पर तमिलनाडु द्वारा निर्धारित मार्ग और उसके दृढ़ रुख को समझा है और उन्होंने अपनी चिंताएं व्यक्त करना शुरू कर दिया है। हिंदी का वर्चस्व समाप्त नहीं होने तक इसके खिलाफ संघर्ष जारी रखने का आश्वासन देते हुए स्टालिन ने कहा, हम एक आंदोलन के वंशज हैं, जिसमें एक सिद्धांतवादी सेना थी जिसने तमिल की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया।

स्टालिन ने कहा कि 1965 से ही द्रमुक का अनेक बलिदान के माध्यम से हिंदी से मातृभाषा की रक्षा करने का इतिहास रहा है। 1971 में कोयंबटूर में द्रमुक की छात्र इकाई द्वारा आयोजित हिंदी विरोधी सम्मेलन में उन्होंने कहा था कि वह बलिदान देने के लिए तैयार हैं। स्टालिन ने कहा, ''प्रभुत्व का विरोध करना और मातृभाषा की रक्षा करना द्रमुक के सदस्यों के खून में समाया हुआ है।

## सीबीआई ने 'क्रिप्टोकरेंसी' घोटाले में 60 स्थानों पर छापेमारी की

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 6600 करोड़ रुपये के 'गेनबिटक्राइन क्रिप्टोकरेंसी' घोटाले के सिलसिले में मंगलवार को 60 स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि दिल्ली एनसीआर, पुणे, चंडीगढ़, नांदेड़, कोल्हापुर और बेंगलुरु समेत कई शहरों में छापेमारी की गई, जिसमें कथित तौर पर प्रमुख आरोपियों से जुड़े परिसरों को लक्षित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रमुख वेबसाइट 'डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट गेनबिटक्राइन डॉट कॉम' समेत कई मंचों के माध्यम से यह पोंजी घोटाला किया गया और इसकी पूरी साजिश कथित रूप से अमित भारद्वाज (अब दिवंगत) और उसके भाई अजय भारद्वाज ने रची थी।

उन्होंने बताया कि 2015 में शुरू किया गया यह अवैध कारोबार 'वेरिएबलटेक प्राइवेट लिमिटेड' के नाम से चल रहा था। सीबीआई ने बताया कि इस योजना के तहत निवेशकों को 18 महीने की अवधि में बिटक्राइन पर प्रति माह 10 प्रतिशत का असाधारण रिटर्न देने का लालच दिया गया और उन्हें बाहरी एक्सचेंजों से डिजिटल मुद्रा खरीदने और 'क्लाउड माइनिंग' अनुबंधों के माध्यम से इसे 'गेन बिटक्राइन' में जमा करने के लिए कहा गया। प्रवक्ता ने कहा, यह मॉडल बहु-स्तरीय विपणन (नेटवर्किंग मार्केटिंग-एमएलएम) संरचना पर काम करता है, जो सामान्यतः पिरामिड संरचित पोंजी योजनाओं से जुड़ा होता है, जहां भुगतान नए निवेशकों को लाने पर निर्भर होता है। प्रारंभिक दिनों में निवेशकों को 'बिटक्राइन' में भुगतान मिलता था, जिससे यह एक आकर्षक उद्यम होने का भ्रम पैदा हुआ। हालांकि, 2017 तक नई पूंजी का प्रवाह कम होने के साथ ही यह दिखावा (भ्रम) टूटने लगा। बयान में कहा गया है, घाटे की लीपापोती करने के प्रयास में, 'गेनबिटक्राइन' ने एकतरफा ढंग से भुगतान को अपने कथित 'इन-हाउस क्रिप्टोकरेंसी' में बदल दिया, जिसका मूल्य 'बिटक्राइन' की तुलना में काफी कम था, जिससे निवेशक और अधिक भ्रमित हो गए।

घोटाले के विशाल पैमाने और जटिलता के परिणामस्वरूप जम्मू-कश्मीर से लेकर महाराष्ट्र और दिल्ली से लेकर पश्चिम बंगाल तक पूरे भारत में कई प्राथमिकियां दर्ज की गईं। उच्चतम न्यायालय ने इस (अवैध कारोबार के) संचालन की व्यापक प्रकृति तथा इसके अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को देखते हुए इसकी जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी। जांच एजेंसी ने कहा,तलाशी के दौरान कुछ क्रिप्टो वॉलेट, आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं।

## हम बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक बनाना चाहते हैं : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) की मानसिकता को संकीर्ण बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को केवल पारंपरिक मदरसों तक सीमित नहीं रखना चाहती बल्कि उन्हें डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और साहित्यकार बनाने का अवसर भी प्रदान करना चाहती है। योगी आदित्यनाथ ने विधानमंडल के बजट सत्र के छठे दिन विधान परिषद में मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षा के आधुनिकीकरण से ही समाज का विकास संभव है।

योगी ने कहा कि स्कूलों में निशुल्क पढ़ाई की व्यवस्था की जा रही है। उनका आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इसके लिए डबल इंजन की सरकार पैसा उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी छात्रों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। योगी ने कहा कि सरकार हर बच्चे को उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है, जिससे वे केवल मजहबी शिक्षा तक ही सीमित न रहें, बल्कि आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनें।

योगी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि हर बच्चा अपनी योग्यता के आधार पर आगे बढ़े और राष्ट्र के विकास में योगदान दे। बच्चे ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति हैं इसलिए इसमें कोई भेदभाव नहीं होगा और उन्हें उत्तम शिक्षा मिलेगी तथा सरकार इसके लिए सही दिशा में कदम बढ़ा रही है।

योगी ने विधान परिषद में विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए थारू जनजाति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह जनजाति उत्तर प्रदेश-नेपाल सीमा क्षेत्र में निवास करती है, जिसमें महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, गोरखपुर और सोनभद्र जैसे जिले शामिल हैं। उन्होंने विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे प्रदेश की जनजातियों और वंचित वर्गों की वास्तविक स्थिति से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं।

## पौधारोपण

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को भोपाल के स्मार्ट सिटी पार्क में अपने दैनिक वृक्षारोपण संकल्प के तहत एक पौधा लगाते हुए।

# दिल्ली विस में भाजपा, 'आप' में टकराव, 'आप' के 21 विधायक निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को उपराज्यपाल वी के सक्सेना के अभिभाषण को बाधित करने के आरोप में विपक्ष की नेता आतिशी समेत आम आदमी पार्टी (आप) के 21 विधायकों को तीन दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। उनके निलंबन का प्रस्ताव दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा पेश किया गया और सदन में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। निलंबित विधायकों को 27 और 28 फरवरी को विधानसभा की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही आतिशी ने 'आप' के अन्य विधायकों के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय से बी आर अंबेडकर की तस्वीर कथित तौर पर हटाए जाने का विरोध किया। आम आदमी पार्टी विधायकों ने भाजपा नीत सरकार पर अंबेडकर का अनादर करने का आरोप लगाया और उसके खिलाफ नारे लगाए।

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने व्यवधानों पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा, जब विधानसभा सत्र शुरू हुआ, तो हमें उम्मीद थी कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों विकास के लिए मिलकर काम करेंगे, क्योंकि आज की चर्चा बहुत महत्वपूर्ण थी। दिल्ली विधानसभा में 'आप' के 22 विधायक हैं। ओखला सीट से विधायक अमानतुल्लाह खान को छोड़कर 'आप' के अन्य सभी विधायकों को निलंबित कर दिया गया है। खान सदन में अनुपस्थित थे। निलंबन के बाद 21 विधायकों ने विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने बाबासाहेब का ये ''अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान'' और ''जय भीम'' के नारे लगाए। आतिशी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री कार्यालय से बी.आर. अंबेडकर की तस्वीर हटाकर उनका अपमान किया है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा, ''भाजपा ने बाबासाहेब अंबेडकर की तस्वीर को हटाकर अपना असली रंग दिखाया है। क्या वह मानती है कि (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी बाबासाहेब की जगह ले सकते हैं?'' 'आप' ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने दिल्ली सचिवालय और विधानसभा दोनों जगह पर मुख्यमंत्री के कार्यालय से अंबेडकर की तस्वीरों को हटा दिया है। अध्यक्ष गुप्ता ने विधानसभा की कार्यवाही को 27 फरवरी पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। 'आप' विधायकों के निलंबन पर टिप्पणी करते हुए दिल्ली के मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा, यह कोई विरोध प्रदर्शन नहीं है।

# 'भारत विरोधी' नारे लगाने पर कबाड़ कारोबारी गिर तार, दुकान पर चला बुलडोजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में पुलिस ने एक कबाड़ व्यापारी और उसकी पत्नी को चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट मैच में पाकिस्तान की हार के बाद भारत के खिलाफ नारे लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सोमवार को मालवण नगर परिषद के अधिकारियों ने सिंधुदुर्ग के तारकरली रोड पर 38 वर्षीय व्यक्ति की दुकान को अनधिकृत निर्माण बताते हुए बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। चैंपियंस ट्रॉफी के एकतरफा मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया था।

अधिकारी ने बताया कि कुछ स्थानीय लोगों ने रविवार रात सिंधुदुर्ग के मालवण थाने में कबाड़ कारोबारी किताबुल्ला हमीदुल्ला खान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जो अपने परिवार के साथ तारकरली रोड पर रहता है। उन्होंने बताया कि शिकायत के अनुसार खान ने अपनी पत्नी आयशा (35) और 15 वर्षीय बेटे के साथ कथित तौर पर ''भारत विरोधी'' नारे लगाए। अधिकारी ने बताया कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के आउट होने के बाद भी उन्होंने कथित तौर पर भारत के खिलाफ नारे लगाए थे। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानीय लोगों ने कबाड़ कारोबारी की हरकत के विरोध में सोमवार को मालवण के देउलवाड़ा इलाके में बाइक रैली निकाली। अधिकारी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सोमवार को कबाड़ कारोबारी और उसके परिवार के दो सदस्यों के खिलाफ धर्म के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने सहित विभिन्न आरोपों में मामला दर्ज किया गया।

# सरकारी प्रोत्साहनों से मध्यप्रदेश को पर्यटन क्षेत्र में सबसे अधिक निवेश पाने में मदद मिलेगी : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भोपाल/भाषा।** केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहनों से आने वाले वर्षों में राज्य को पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र से सबसे अधिक निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। राज्य के 'वैश्विक निवेशक सम्मेलन इन्वेस्ट मध्यप्रदेश' को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि आध्यात्मिक केंद्रों से लेकर पहाड़ी इलाकों तक के सुरम्य स्थलों से समृद्ध सूबे में पर्यटकों की आकांक्षाएं पूरी करने की क्षमता है।

उन्होंने कहा, हम इस (पर्यटन) क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य के द्वार पर बैठे हैं। मैं आप सबसे मध्यप्रदेश और भारत में जहां भी संभावना है, वहां अधिक से अधिक निवेश करने का आह्वान करता हूं। आपका निवेश आपको निश्चित रूप से निराश नहीं करेगा। शेखावत ने कहा, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहनों से आने वाले समय में भारत के आतिथ्य, यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में अधिकतम निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी जो देश के किसी भी अन्य राज्य से अधिक होगा। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए बजट में घोषित आयकर राहत का सबसे बड़ा लाभार्थी यात्रा और पर्यटन क्षेत्र होगा क्योंकि 25 लाख रुपये से कम की वार्षिक कमाई वाले मध्यमवर्गीय परिवारों के पास अधिक खर्च योग्य आय होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस राहत का फायदा उठाने में पर्यटन क्षेत्र, रियल एस्टेट क्षेत्र से भी आगे होगा। शेखावत ने कहा, विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था में पर्यटन क्षेत्र का औपचारिक योगदान वर्तमान के 5.60% से बढ़कर 2027 तक 10% हो जाएगा।

# आईसीएआई 15,000 और चार्टर्ड अकाउंटेंट को कृत्रिम मेधा पर प्रशिक्षित करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सनदी लेखाकारों (सीए) का शीर्ष संगठन आईसीएआई 15,000 और सीए को कृत्रिम मेधा (एआई) पर प्रशिक्षण देगा। आईसीएआई के अध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने प्रौद्योगिकी को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है और इसकी एआई पर एक समिति भी है।

संस्थान एआई पर एक वर्षीय सर्टिफिकेट कार्यक्रम भी संचालित करता है और 12,000 चार्टर्ड अकाउंटेंट को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है।

चरणजोत सिंह नंदा ने कहा कि 15,000 से अधिक सनदी लेखाकारों को प्रशिक्षण देने की योजना है।

# बेटे की पिटाई मामले में महिला को जमानत, अदालत ने कहा : कोई मां अपने बेटे की पिटाई नहीं करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** बंबई उच्च न्यायालय ने 7 वर्षीय बेटे पर हमला करने के आरोप में अपने साथी के साथ गिरफ्तार की गयी 28 वर्षीय एक महिला को जमानत देते हुए कहा कि कोई भी मां अपने बच्चे की पिटाई नहीं करेगी। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने कहा कि शिकायतकर्ता पिता और आरोपी मां के बीच वैवाहिक विवाद है जिसकी मार बच्चे पर पड़ रही है और वह बलि का बकरा बन गया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि लड़के की मेडिकल रिपोर्ट बताती है कि वह मिर्गी और नियमित दौरे से पीड़ित है तथा कुपोषित और रक्ताल्पता से ग्रस्त है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि विभिन्न मेडिकल दस्तावेजों से पता चलता है कि आरोपी मां ने बच्चे की देखभाल और सहायता करने की जहमत उठाई। महिला को अक्टूबर, 2023 को गिरफ्तार किया था और तब से वह हिरासत में है। इस नाबालिग बच्चे के जैविक पिता की शिकायत पर मुंबई में प्राथमिकी दर्ज की गयी। उसने (जैविक पिता ने) आरोप लगाया कि उससे अलग रह रही उसकी पत्नी एवं उसके (पत्नी के) साथी ने कई बार बच्चे के साथ मारपीट की तथा एक बार तो उन्होंने उसकी जान लेने तक की कोशिश की। मुंबई में दहीसर पुलिस में शिकायत दर्ज करायी गयी और यह भी आरोप लगाया गया है कि महिला के साथी ने बच्चे पर यौन हमला भी किया। उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रथम दृष्टया सभी आरोप अविश्वसनीय हैं। उच्च न्यायालय ने महिला को 15,000 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत देते हुए कहा, किसी भी मां के बारे में यह नहीं सोचा जा सकता कि वह अपने ही बच्चे को पीटेगी। उच्च न्यायालय ने कहा कि पुलिस मामले में आरोपी को गिरफ्तारी के आधार बताने से संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता के अनिवार्य प्रावधानों का पालन करने में विफल रही है। शिकायत के अनुसार, 2019 में माता-पिता के अलग होने के बाद लड़का पिता के साथ रत्नागिरी में रह रहा था।

# विधि विशेषज्ञ 'एक देश एक चुनाव' पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष पेश हुए

**नई दिल्ली।** भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश यू यू ललित और भारतीय विधि आयोग के पूर्व अध्यक्ष ऋतुराज अवस्थी ने एक साथ चुनाव कराने संबंधी दो विधेयकों का अध्ययन कर रही संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष मंगलवार को अपने विचार साझा किये। समिति ने विशेषज्ञों और हितधारकों से परामर्श करना शुरू कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी सदस्यों ने इस अवधारणा की आलोचना की। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने दावा किया कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' (ओएनओई) विधानमंडलों के कार्यकाल के साथ छेड़छाड़ करके लोकतंत्र को कमजोर करेगा और लोगों के अधिकारों का हनन करेगा। सूत्रों ने बताया कि भाजपा के सहयोगी ने हैरानी जताई कि क्या दो चुनावों के बीच पांच साल का अंतराल निर्वाचित प्रतिनिधियों की जनता के प्रति जवाबदेही को कमजोर करेगा?

उच्चस्तरीय कोविंद समिति के सचिव आईएएस अधिकारी नितेन चंद्रा ने भी समिति के साथ अपने विचार साझा किये। अवस्थी ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से होने वाली बचत और विकास को बढ़ावा मिलने के लाभों के बारे में विस्तार से बताया। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कांग्रेस के पूर्व सांसद ई.एम. सुदर्शन नचियप्पन, भी समिति के समक्ष अपने विचार साझा करेंगे। नचियप्पन ने 2015 में एक साथ चुनाव कराने की वकालत करने वाली संसदीय समिति की अध्यक्षता की थी। पच्चीस फरवरी की बैठक के लिए संसदीय समिति के एजेंडे को संक्षेप में कानूनी विशेषज्ञों के साथ ''बातचीत'' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में मोदी सरकार ने एक राष्ट्र एक चुनाव' पर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था और इसने अपनी रिपोर्ट में इस अवधारणा का जोरदार समर्थन किया था।

# अमानतुल्लाह खान को अग्रिम जमानत मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान को अग्रिम जमानत दे दी। उन पर राष्ट्रीय राजधानी के जामिया नगर में हाल ही में दिल्ली पुलिस के दल पर हमले का आरोप है।

विशेष न्यायाधीश जितेन्द्र सिंह ने राहत देते हुए खान को जांच में शामिल होने का निर्देश दिया। दिल्ली पुलिस ने 10 फरवरी को हुई घटना के संबंध में ओखला विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी और आरोप लगाया था कि उन्होंने एक भीड़ का नेतृत्व किया और हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपी घोषित एक अपराधी को हिरासत से भागने में मदद की।

पुलिस ने बताया कि कथित घटना उस समय हुई जब दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने शाबाज खान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार करने का प्रयास किया।

# पाकिस्तान की जेल से रिहा 22 भारतीय मछुआरे गुजरात पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अहमदाबाद/भाषा।** पाकिस्तान की कराची जेल से रिहा किए गए 22 भारतीय मछुआरे मंगलवार को गुजरात के गिर सोमनाथ पहुंचे और उन्होंने स्वदेश लौटने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि पाकिस्तान की जेलों में बंद अन्य भारतीय मछुआरों की रिहाई की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। ये 22 मछुआरे अप्रैल 2021 से दिसंबर 2022 के बीच अरब सागर में गुजरात तट के पास मछली पकड़ते समय पाकिस्तान की समुद्री सुरक्षा एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किए गए थे।

वेरावल के मत्स्य पालन सहायक निदेशक वी. के. गोहेल के अनुसार, अभी भी लगभग 195 भारतीय मछुआरे पाकिस्तानी जेलों में बंद हैं। पाकिस्तान से रिहा किए गए 22 मछुआरों में से 18 गुजरात के, तीन केंद्र शासित प्रदेश दीव के और एक उत्तर प्रदेश का निवासी है। गुजरात सरकार ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और कृषि मंत्री राघवजी पटेल ने केंद्र सरकार से मछुआरों की रिहाई का अनुरोध किया था। गोहेल ने बताया कि इन मछुआरों को कुछ दिन पहले वाघा बॉर्डर पर भारतीय अधिकारियों को सौंपा गया था। वे सोमवार शाम ट्रेन से वडोदरा पहुंचे, जिसके बाद मंगलवार को बस के जरिए गिर सोमनाथ जिले के वेरावल पहुंचे। वडोदरा पहुंचने पर मछुआरों ने अपने देश लौटने पर खुशी जताई और पाकिस्तानी जेलों में बंद अन्य मछुआरों की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त की। वडोदरा में पत्रकारों से बात करते हुए एक मछुआरे ने कहा, वे बीमारियों से पीड़ित हैं और खाने-पीने की समस्या झेल रहे हैं। वे गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। एक अन्य मछुआरे ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि उसे साढ़े तीन साल पहले गुजरात तट से मछली पकड़ते समय पकड़ा गया था। उन्होंने कहा, हम सभी 22 लोग बीमार हैं और अभी भी कई मछुआरे वहां कैद हैं। हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि उन्हें जल्द से जल्द रिहा करवाने के लिए हर संभव प्रयास करें क्योंकि वहां की जेलों में बहुत दिक्कतें हैं। रिहा हुए मछुआरे अपने साथ पाकिस्तानी जेल में बंद अन्य भारतीय मछुआरों का एक पत्र भी लेकर आए जिसमें उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त की और सरकार से उनकी रिहाई के लिए त्वरित कदम उठाने का अनुरोध किया।

# 'एडवांटेज असम' के पहले दिन 90,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गुवाहाटी/भाषा।** असम के व्यापार शिखर सम्मेलन के पहले दिन मंगलवार को 90,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन 'एडवांटेज असम' के अंततक इस आंकड़े में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

पूर्वोत्तर के इस राज्य में निवेश के लिए कई शीर्ष सार्वजनिक उपक्रमों और निजी कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही विदेशी इकाइयों के साथ गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अबतक हुए समझौतों में टाटा पावर के साथ 30,000 करोड़ रुपये, जेएसडब्ल्यू ग्रुप के साथ 7,000 करोड़ रुपये, ग्रीनको एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ 5,850 करोड़ रुपये, अदाणी टोटल गैस लिमिटेड के साथ 5,000 करोड़ रुपये, पीएनबी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज लिमिटेड के साथ 3,000 करोड़ रुपये और एस्सार ग्रुप के साथ 2,100 करोड़ रुपये का समझौता शामिल है। उन्होंने बताया कि पहले दिन प्रमुख समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने वाले सार्वजनिक उपक्रमों में ऑयल इंडिया लिमिटेड शामिल है, जिसने 23,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा किया है। नुमालीगढ़ रिफाइनरी ने 10,711 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है। राज्य सरकार के अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''अबतक 30 से अधिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं और अगले कुछ घंटों में कई और समझौते होने की संभावना है। कल भी कुछ बड़ी घोषणाएं होंगी।''

# धोनी जैसा करिश्माई कप्तान भी पाकिस्तान की इस टीम की किस्मत नहीं बदल सकता : सना मीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कराची/भाषा।** पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सना मीर ने चैंपियंस ट्रॉफी से जल्दी बाहर होने वाली अपने देश की पुरुष टीम की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यहां तक कि महेंद्र सिंह धोनी जैसा करिश्माई कप्तान भी इस पाकिस्तानी टीम की किस्मत नहीं बदल सकता है। पाकिस्तान की टीम को अपने पहले दो मैच में न्यूजीलैंड और भारत से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ से बाहर हो गई। उसे अपने आखिरी मैच में अब बांग्लादेश का सामना करना है।

सना ने 'गेम ऑन है' कार्यक्रम में कहा, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जिन 15 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, उसे देखते हुए अगर आप महेंद्र सिंह धोनी या (पाकिस्तान के पूर्व कप्तान) यूनिस खान को भी कमान सौंप दो तब भी कुछ नहीं होने वाला क्योंकि टीम का चयन खेल की परिस्थितियों को देखकर नहीं किया गया है।

मोहम्मद रिजवान की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम को भारत से छह विकेट से हार झेलने के बाद लगातार आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। क्रिकेटर से कमेंटेटर बनी 39 वर्षीय सना ने कहा, मैं मैच देख रही थी तो तब मेरे एक दोस्त का फोन आया कि भारत ने दो विकेट पर 100 रन बना लिए हैं मुझे लगता है कि मैच खत्म हो गया है। मैंने उससे कहा कि पाकिस्तान का खेल तो तभी खत्म हो गया था जब टीम घोषित की गई थी। पाकिस्तान की तरफ से सीमित ओवरों के 300 से अधिक मैच खेलने वाली सना ने कहा कि टीम का चयन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर नहीं किया गया।

# सज्जन कुमार की वृद्धावस्था, बीमारियों को देखते हुए उन्हें मौत की सजा नहीं दी गई : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली।** दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े हत्या के एक मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को मंगलवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि कुमार की वृद्धावस्था और बीमारियों को देखते हुए उन्हें मृत्युदंड के बजाय कम कठोर सजा दी गई है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने एक नवंबर 1984 को जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से जुड़े मामले में यह फैसला सुनाया।

न्यायमूर्ति बावेजा ने कहा कि कुमार ने जो अपराध किए, वे निस्संदेह क्रूर और निंदनीय थे, लेकिन उनकी 80 साल की उम्र और बीमारियों सहित कुछ ऐसे कारक भी थे, जो उन्हें मृत्युदंड के बजाय कम कठोर सजा देने के पक्ष में थे। भारतीय कानून में हत्या के अपराध के लिए अधिकतम मृत्युदंड, जबकि न्यूनतम उम्रकैद की सजा देने का प्रावधान है। अदालत ने कहा, जेल प्राधिकारियों की रिपोर्ट के मुताबिक अपराधी का 'संतोषजनक' आचरण, जिन बीमारियों से वह पीड़ित है, यह तथ्य कि अपराधी की समाज में जड़ें हैं और उसमें सुधार एवं पुनर्वास की गुंजाइश उन कारकों में शामिल हैं, जो मेरी राय में फैसले को मृत्युदंड के बजाय आजीवन कारावास की सजा के पक्ष में झुकाते हैं। अदालत ने कहा कि कुमार के व्यवहार को लेकर कोई शिकायत सामने नहीं आई है और जेल प्राधिकारियों की रिपोर्ट के हिसाब से उनका आचरण संतोषजनक था। न्यायमूर्ति बावेजा ने कहा कि यह मामला उसी घटना का हिस्सा है और इसे उसी घटना की निरंतरता के रूप में देखा जा सकता है, जिसके लिए कुमार को 17 दिसंबर 2018 को दिल्ली उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

उच्च न्यायालय ने कुमार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए दंगों की एक घटना के दौरान पांच लोगों की मौत का दोषी ठहराया था। न्यायमूर्ति बावेजा ने कहा, मौजूदा मामले में दो निर्दोष व्यक्तियों की हत्या यकीनन कोई कम बड़ा अपराध नहीं है, लेकिन मेरी राय में उपरोक्त परिस्थितियां इसे दुर्लभतम से भी 'दुर्लभतम मामला' नहीं बनातीं, जिसके लिए मृत्युदंड दिया जाना उचित हो। उन्होंने कहा कि कुमार को उस भीड़ का हिस्सा होने के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई जाती है, जिसने पीड़ितों के घर को आग के हवाले कर दिया था, उनका सामान लूट लिया था और परिवार के दो सदस्यों की निर्मम हत्या कर दी थी। जेल रिपोर्ट का हवाला देते हुए न्यायमूर्ति बावेजा ने कहा कि खराब स्वास्थ्य के कारण कुमार अपनी दैनिक कार्य ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने दोषी की मनोवैज्ञानिक और मानसिक मूल्यांकन रिपोर्ट पर गौर किया, जिससे पता चलता है कि वह

सफदरजंग अस्पताल के मेडिसिन, यूरोलॉजी और न्यूरोलॉजी विभाग में उपचाराधीन था और उसे अवसाद रोधी तथा नींद की दवाएं सुझाई गई थीं। न्यायमूर्ति बावेजा ने कहा कि कुमार में मानसिक बीमारी के कोई लक्षण या संकेत नहीं दिखे हैं और उन्हें फिलहाल किसी मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कुमार पर लगभग 2.40 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने कुमार की सभी सजाएं एक साथ चलाने का आदेश दिया। हिंसा और उसके बाद की स्थिति की जांच के लिए गठित नानावटी आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में दंगों के सिलसिले में 587 प्राथमिकी दर्ज की गई थीं, जिनमें लगभग 240 प्राथमिकी को पुलिस ने अज्ञात बताकर बंद कर दिया और 250 मामलों में आरोपी बरी हो गए। 587 प्राथमिकी में से केवल 28 मामलों में ही सजा हुई और लगभग 400 लोगों को दोषी ठहराया गया। कुमार सहित लगभग 50 को हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था। उस समय एक प्रभावशाली कांग्रेस नेता और सांसद रहे कुमार पर 1984 में एक और दो नवंबर को दिल्ली की पालम कॉलोनी में पांच लोगों की हत्या के मामले में आरोप लगाया गया था। इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और फैसले को चुनौती देने वाली उनकी अपील सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। दो अन्य मामलों में कुमार को क्रमश: बरी किए जाने और उनकी आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ दो याचिकाएं दिल्ली उच्च न्यायालय और सर्वोच्च अदालत के समक्ष लंबित हैं।

## न्याय का पहिया घूमने लगा है : भाजपा

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली की एक अदालत द्वारा 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े हत्या के एक मामले में पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद भाजपा ने मंगलवार को कहा कि 'न्याय का पहिया' घूमना शुरू हो गया है और उम्मीद है कि अन्य आरोपियों को भी उनके किये की सजा मिलेगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सिख नेता आर.पी. सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से आग्रह किया कि वे केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कहें कि वह सज्जन कुमार के लिए मृत्युदंड की मांग करते हुए उच्च न्यायालय में अपील दायर करे।

दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को पूर्व सांसद सज्जन कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने एक नवंबर 1984 को जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या के मामले में फैसला सुनाया। सिंह ने एक वीडियो संदेश में कहा, पूरा देश जब सज्जन कुमार के लिए मृत्युदंड की उम्मीद कर रहा था, उन्हें केवल आजीवन कारावास की सजा दी गई। यह हत्या का कोई साधारण मामला नहीं था, यह उनके नेता राजीव गांधी के इशारे पर किया गया सिखों का नरसंहार था।

उन्होंने कहा, मैं मोदी जी और अमित शाह से आग्रह करता हूं कि वे सीबीआई को सज्जन कुमार के लिए मृत्युदंड की मांग करते हुए उच्च न्यायालय में अपील दायर करने का निर्देश दें। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए भाजपा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर लिखा, राजीव गांधी और बाद में सोनिया गांधी के करीबी सहयोगी रहे पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को 1984 के सिख नरसंहार में उनकी भूमिका के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। उन्होंने कहा, न्याय का पहिया घूमना शुरू हो गया है। कांग्रेस के कई अन्य वरिष्ठ नेता, जिनमें से एक कांग्रेस अध्यक्ष बनने की दौड़ में थे, जल्द ही उनकी किस्मत का फैसला होगा। कानून के लंबे हाथ उन्हें पकड़ लेंगे।

# ज्ञान और ध्यान जीवन में स्थिरता लाते हैं : बसवराज बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। जीवन में ज्ञान और ध्यान दोनों महत्वपूर्ण हैं। इससे स्थान का बोध होता है। जीवन में कोई दुःख नहीं है. पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि समर्पण की संस्कृति पर इस पर चर्चा होनी चाहिए। वह हावेरी जिले के सावनूर कस्बे में लिंगायक्य श्री गुरु रचोतेश्वर महास्वामी के 48वें स्मरणोत्सव समारोह और कल्पवृक्ष श्री पुरस्कार वितरण समारोह में बोल रहे थे। आज का समारोह जीवन में पुरानी जड़ों और नई कोंपलों की तरह है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ जगद्गुरुओं के समर्पण का उत्सव अत्यंत सराहनीय है, जिसमें साधकों और जनप्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया है।

तर्कसंगतता बढ़नी चाहिए। जो भी चीज सबसे ज्यादा खुशी देती है, जब उस खुशी को साझा किया जाता है, तो वह खुशी अच्छी लगती है। अगर हम खुद इसका अनुभव करते हैं, तो हम इसका अनुभव कम करते हैं। हमें जो खुशी मिलती है, उसका अनुभव करने के बजाय, हम यह देखते हैं कि क्या कुछ और भी है जिसे हम पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि आप जीवन में कुछ क्षण रुककर चिंतन करें तो आप जीवन के सुंदर क्षणों का अनुभव कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम यह नहीं पूछते कि हम किस समाज या घर में पैदा हुए हैं। जन्म और मृत्यु हमारे हाथ में नहीं है, जीवन हमारे हाथ में है। मनुष्य का मनुष्य बनना बहुत कठिन है। जो काम,

क्रोध, लोभ, ईर्ष्या की जंजीरों में जकड़े हैं, वे मनुष्य हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग काम, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या और बंधन से ऊपर उठ गए हैं, वे मनुष्य हैं। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि तपस्वी लोग मृत्यु के बाद भी जीवित रहते हैं।

बोम्मई ने कहा, सफलता पाने के लिए गुरु का होना आवश्यक है। आगे एक लक्ष्य होना चाहिए. हमारे कई सपने हैं और हमें यह सोचना होगा कि उनमें से कौन से सपने वास्तविक हैं। कनकदास दो बार दैयदियों से युद्ध करते समय गंभीर रूप से घायल हो गये थे। वे प्रबुद्ध हो जाते हैं और सभी दिशाओं में गुलाम बन जाते हैं। वे अपने बारे में कुछ ऐसा कहते हैं, मैंने उस एक हार में खुद को जीत लिया, मैंने कई जीतें देखीं। बसवन्ना की प्रतिज्ञा बहुत सरल है, उन्होंने कहा, झूठ मत बोलो, हत्या मत करो, झूठ मत कहो। दया धर्म का मूल है, यह मोतियों की माला की तरह होनी चाहिए, हमें हर श्लोक में मार्गदर्शन मिलता है। इसे लागू करना कठिन है। उन्होंने कहा कि कार्यान्वयन आध्यात्मिकता के माध्यम से आता है। जीवन में ज्ञान और ध्यान दोनों महत्वपूर्ण हैं। इससे स्थान का बोध होता है। जीवन में कोई दुःख नहीं है. इस पर समर्पण की संस्कृति में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु और शिष्य के बीच जो है वह भक्ति है, भक्ति सर्वोच्च प्रेम है, भक्ति का अर्थ है गुरु में विलीन हो जाना और लीन हो जाना। इस अवसर पर डॉ. एमएनपी मुरुगा मठ, धारवाड़ के मल्लिकार्जुन महास्वामी, डोड्डाहुनासे काल मठ, सावनूर के एमएनपी चन्नबसव महास्वामी की दिव्य उपस्थिति में इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई तथा विधान सभा के उपाध्यक्ष रुद्रप्पा लमनी, विधायक यासिर खान पठान, सीमा प्राधिकरण के अध्यक्ष सोमन्ना बेविनामाराडा, संजीव कुमार नीरलगी सहित कई गणमान्य व्यक्ति और नेता उपस्थित थे।

## सोने के आभूषण चोरी कर फरार दो व्यक्ति राजस्थान से गिरफ्तार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अलसूरु गेट पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 727 ग्राम सोने के आभूषण जब्त किए हैं। जानकारी के अनुसार गत 15 जनवरी को नगरथपेट के केम्पन्ना लेन स्थित कोनार्क हॉल मार्किंग सेन्टर से ये आरोपी एक करोड़ रु. से अधिक के आभूषण चोरी कर फरार हो गए थे। कोनार्क हॉल मार्किंग सेन्टर, जो भरतकुमार जैन और उनकी पत्नी शर्मिला जैन संचालित करते हैं, के यहां काम करने वाले कर्मचारियों ने चोरी को अंजाम दिया था। 15 जनवरी को दुकान मालिक दुकान में उपस्थित नहीं था। दुकान के लॉकर में रखे आभूषणों को लेकर कर्मचारी फरार हो गया। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। राजस्थान के ब्यावर जिले के साकेतनगर से एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ा। उसकी निशानदेही पर दूसरे व्यक्ति को भी पकड़ा गया। चोरी करने वाले मनीष प्रजापत (20) और महावीर गुजर (21) ने चोरी किए हुए सोने के आभूषण राजस्थान के करणीपुर, भीम आदि जगहों पर पॉन बोकर्स के यहां रख दिए थे। बाद में पुलिस ने 727 ग्राम वजन के आभूषण जब्त कर लिए।

## दसवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों को परीक्षा के दौरान मुफ्त बस यात्रा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम ने मंगलवार को घोषणा की कि वह एसएसएलसी (दसवीं कक्षा) और द्वितीय पीयूसी (बारहवीं कक्षा) के विद्यार्थियों को उनकी वार्षिक परीक्षाओं के दौरान मुफ्त बस यात्रा उपलब्ध कराएगा। केएसआरटीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, द्वितीय पीयूसी (विश्विविद्यालय पूर्व पाठ्यक्रम) और एसएसएलसी (माध्यमिक कक्षा परिपूर्ण प्रमाणपत्र) वार्षिक परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों की सुविधा के लिए केएसआरटीसी ने उन्हें अपने आवास से आवंटित परीक्षा केंद्रों तक अपनी बसों (शहरी, उपनगरीय, साधारण और एक्सप्रेस सेवा) में मुफ्त यात्रा की अनुमति देने का फैसला किया है। बयान में कहा गया है कि छात्र परीक्षा अवधि के दौरान अपना परीक्षा प्रवेश पत्र प्रस्तुत करके इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। यह सुविधा दूसरे पीयूसी के लिए एक से 20 मार्च और एसएसएलसी के लिए 21 मार्च से चार अप्रैल तक मुहैया करायी जाएगी।

## नवजात शिशु को 60,000 रुपये में बेचने की कोशिश, चार गिरफ्तार

तुमकूर/भाषा। कर्नाटक के तुमकूर जिले के कुनिगल में एक नवजात शिशु को 60,000 रुपये में बेचने की कोशिश के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि महिला एवं बाल कल्याण विभाग, कुनिगल की वरिष्ठ पर्यवेक्षक हुच्चा रंगम्मा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। शिकायत में बताया गया कि कुनिगल सरकारी अस्पताल में एक अविवाहित महिला ने 20 फरवरी को एक बच्चे को जन्म दिया। महिला ने अपने साथी श्रीनंद (बच्चे का पिता), एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ज्योति और एक व्यक्ति मुबारक पाशा के साथ मिलकर 60,000 रुपये में नवजात को बेचने की साजिश रची। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## जमीन पर काम करने वालों को ही पार्टी पद देगी : उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल उन कार्यकर्ताओं को पद देगी, जो जमीनी स्तर पर काम करेंगे, न कि उन लोगों को जो बेंगलूरु में नेताओं के आगे पीछे घूमते हैं। नई दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले संवाददाताओं से बातचीत में शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस को तालुका स्तर पर काम करने वाले लोगों की जरूरत है, न कि उन लोगों की, जो बेंगलूरु में वरिष्ठ नेताओं के इर्द-गिर्द घूमते हैं। उन्होंने कहा, अगर हम कोई पद देते हैं, तो उससे नतीजे भी मिलने चाहिए। हम जमीन पर काम करने और नतीजे देने वाले नेताओं को प्राथमिकता देंगे। शिवकुमार के मुताबिक, कांग्रेस पदाधिकारियों की सूची तैयार है, लेकिन अभी इसे आलाकमान को नहीं सौंपा गया है। शिवकुमार ने यह भी कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने प्रदेश इकाई को कड़ी मेहनत करने के इच्छुक कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि आरक्षण नीति के मद्देनजर पार्टी महिलाओं को प्राथमिकता दे रही है। शिवकुमार ने कहा, हम इस पर मंत्रियों से जानकारी ले रहे हैं और इस सप्ताह सूची को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।दिल्ली दौरे के बारे में शिवकुमार ने कहा, ''मैंने राजस्थान में राज्य सिंचाई मंत्रियों की हाल की बैठक के दौरान केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सी आर पाटिल के समक्ष राज्य की सिंचाई परियोजनाओं से संबंधित मुद्दे उठाए थे।'' उन्होंने कहा, ''केंद्रीय मंत्री ने मुझे इन चिंताओं पर चर्चा करने के लिए समय दिया है, और इसीलिए यह दौरा कर रहा हूं।''

# सिद्दरामय्या पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे : एमएलसी यतींद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए कांग्रेस एमएलसी यतींद्र ने मंगलवार को कहा कि उनके पिता सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री बने रहेंगे और पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि पूरी पार्टी, विधायक और आलाकमान सिद्दरामय्या के साथ हैं। उन्होंने एमयूडीए भूखंड आवंटन मामले में लोकायुक्त पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री और अन्य को क्लीन चिट दिए जाने का भी स्वागत किया और कहा कि सत्य की जीत हुई है।

राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के बारे में पूछे गए सवाल पर विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) यतींद्र ने कहा कि ऐसी बातें हर पार्टी में होती हैं, क्योंकि हर पार्टी में मुख्यमंत्री पद के दावेदार होते हैं और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष (मल्लिकार्जुन खरगे) ने

कहा है कि किसी को भी मीडिया के सामने इस बारे में नहीं बोलना चाहिए, इसलिए मैं ज्यादा नहीं बोलूंगा।'' राज्य में इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री पद पर बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं। मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्दरामय्या और प्रदेश पार्टी प्रमुख डी के शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी तथा कांग्रेस शिवकुमार को मनाने में कामयाब रही और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया। उस समय ऐसी खबरें आई थीं कि ''रोटेशनल फॉर्मूले'' के आधार पर समझौता हो गया, जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन पार्टी द्वारा इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई।

सिद्दरामय्या पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बी एम को 14 भूखंडों के आवंटन में अनियमितता के आरोप हैं। एमयूडीए मामले की जांच करने वाली लोकायुक्त पुलिस द्वारा सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी और दो अन्य को क्लीन चिट दिए जाने के सवाल पर यतींद्र ने कहा कि वह पहले दिन से ही कह रहे हैं कि उनके पिता या मामले में किसी अन्य ने किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं की।

**तैयारी**

गुरुवार को मैसूरु में गुरुकुल मंदिर में 108 शिव लिंगों में महा शिवरात्रि की तैयारी करते पुजारी।

### जन्म प्रमाणपत्र में हेराफेरी

# न्यायालय ने कर्नाटक पुलिस को खिलाड़ी लक्ष्य सेन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई से रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कर्नाटक पुलिस को बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन, उनके परिवार के सदस्यों और कोच के खिलाफ जन्म प्रमाणपत्र में जालसाजी के आरोपों पर कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कर्नाटक सरकार और शिकायतकर्ता एम जी नागराज को नोटिस जारी किया, जिन्होंने आरोप लगाया था कि सेन और उनके भाई चिराग सेन के जन्म प्रमाण पत्र जाली हैं। शीर्ष अदालत कर्नाटक उच्च न्यायालय के 19 फरवरी के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सेन, उनके परिवार के सदस्यों और उनके कोच यू विमल कुमार द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था।

उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि मामले की जांच के लिए प्रथम दृष्टया सबूत मौजूद हैं। यह मामला नागराज द्वारा दायर एक निजी शिकायत से उपजा है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सेन के माता-पिता धीरेंद्र और निर्मला सेन, उनके भाई, कोच तथा कर्नाटक बैडमिंटन एसोसिएशन के एक कर्मचारी जन्म रिकॉर्ड में हेराफेरी करने में शामिल थे। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर सेन भाइयों के जन्म प्रमाणपत्रों में हेराफेरी की और उनकी उम्र लगभग ढाई साल कम दिखाई गई। आरोपों के अनुसार कथित जालसाजी इसलिए की गई ताकि वे आयुसीमा वाले बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग ले सकें और सरकारी लाभ प्राप्त कर सकें।

नागराज ने आरटीआई अधिनियम के तहत प्राप्त दस्तावेजों को अपने दावों के समर्थन में पेश किया और अदालत से भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और नई दिल्ली स्थित युवा मामले एवं खेल मंत्रालय से मूल रिकॉर्ड तलब करने का अनुरोध किया।

# महाशिवरात्रि के लिए भारतीय रेलवे की विशेष तैयारियाँ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार महाकुंभ 2025 का अंतिम अमृत स्नान 26 फरवरी को होना है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, बंगाल समेत कई राज्यों से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर स्नान करने के लिए प्रयागराज में एकत्र हुए हैं। गत रविवार और सोमवार को बिहार के पटना, दानापुर, मुजफ्फरपुर, गया, सासाराम, कटिहार, खगड़िया, सहरसा, जयनगर और दरभंगा जैसे स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या अधिक रही। इसी तरह उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, कानपुर, गोंडा, दीनदयाल उपाध्याय और झांसी जैसे स्टेशनों पर भी तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि देखी गई। मध्य प्रदेश के चित्रकूट, जबलपुर, सतना और खजुराहो जैसे स्टेशनों पर भी यात्रियों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई, जबकि झारखंड के धनबाद, बोकारो, रांची, गढ़वा और मेदिनीनगर स्टेशनों से भी बड़ी संख्या में यात्री प्रयागराज पहुंचे।

अमृत स्नान के बाद बड़ी संख्या में लोगों के अपने गृहनगर लौटने की उम्मीद है, जिससे रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ होने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और उत्तर रेलवे ने व्यापक तैयारियां की हैं और सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने कार्यस्थलों पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। मौनी अमावस्या के अवसर पर 360 से अधिक ट्रेनें चलाई गईं, जिनमें 20 लाख से अधिक लोगों को सफलतापूर्वक उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। इसी तरह महाशिवरात्रि स्नान के बाद अतिरिक्त ट्रेनें चलाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है और जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल के लिए प्रयागराज के पास अतिरिक्त रेक

तैनात किए गए हैं। शुरुआत में रेलवे ने महाकुंभ के दौरान करीब 13,500 ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई थी और 42वें दिन तक बड़ी संख्या में विशेष ट्रेनों समेत 15,000 से अधिक ट्रेनें चलाई जा चुकी हैं। पूरे रेलवे संचालन पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की कड़ी नजर है।

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ सतीश कुमार भी ट्रेन संचालन की निगरानी में सक्रिय रूप से शामिल हैं। तीनों जोनल रेलवे के महाप्रबंधक अपनी टीमों के साथ रेलवे की व्यवस्थाओं को मजबूत करने में जुटे हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सभी जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को महाकुंभ यात्रियों का पूरा ख्याल रखने और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाने के निर्देश दिए हैं। महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने बड़ी संख्या में ट्रेनें चलाने के अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए सुरक्षा, आश्रय, आसान टिकट समेत तमाम इंतजाम किए हैं। प्रयागराज क्षेत्र के सभी स्टेशनों पर 1,500 से अधिक वाणिज्य विभाग के कर्मचारी और 3,000 रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रयागराज में रेलवे सुरक्षा विशेष बल के 29 दस्ते, महिला रेलवे सुरक्षा विशेष बल के 2 दस्ते, 22 डॉग स्क्वॉड और 2 बम निरोधक दस्ते तैनात किए गए हैं।

महाकुंभ के अंतिम सप्ताहांत में, रेलवे ने नियमित और विशेष ट्रेनों का बेहतर ढंग से प्रबंधन जारी रखा। रविवार को, रेलवे ने 335 ट्रेनों का सफलतापूर्वक संचालन किया, जिससे 16 लाख से अधिक लोग अपने गंतव्य तक पहुँचे।

# बस के चालक दल पर हमले के कारण कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच बस सेवाएं निलंबित

बेलगावी/दक्षिण भारत। बसों और उनके कर्मियों पर हुए हमलों के बाद कर्नाटक और महाराष्ट्र के मध्य बेलगावी को लेकर सीमा विवाद के तेज होने के बीच दोनों राज्यों के बीच बस सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने कल से महाराष्ट्र के लिए बस सेवाएं रोक दी हैं। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम ने भी कर्नाटक के लिए अपनी बस सेवाएं बंद कर दी हैं।

उन्होंने बताया कि सीमावर्ती बेलगावी जिले में एक संवेदनशील मुद्दे पर व्याप्त तनाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

इस बीच, कर्नाटक रक्षण वेदिके (केआरवी) के दोनों धड़ों टी ए नारायणा गौडा और प्रवीण शेट्टी ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। बाद में कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारियां दीं। गौड़ा और शेट्टी ने सुबह (बस के) परिचालक महादेवप्पा हुक्केरी से अलग-अलग मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। बेलगावी में एक यात्री से मराठी में बात नहीं करने पर हुक्केरी पर कथित तौर पर हमला किया गया था।

परिचालक पर हमला प्रकरण ने दशकों पुराने सीमा विवाद को फिर से सुलगा दिया है, जहां इस सीमावर्ती शहर की अहम मराठी भाषियों का एक वर्ग चाहता है कि इस शहर को महाराष्ट्र में मिला दिया जाए। पत्रकारों से बात करते हुए गौड़ा ने कहा कि केआरवी कर्नाटक के वाहनों को नुकसान पहुंचाने और मराठी न बोलने वाले कन्नड़ लोगों पर हमला करने वाले उपद्रवियों को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने इस मुद्दे को हल्के में लेने और उचित तरीके से जवाब न देने के लिए कर्नाटक के नेताओं की भी आलोचना की।

कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि बेलगावी में स्थिति सामान्य है और चिंता की कोई बात नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कर्नाटक की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश और पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन को महाराष्ट्र के अपने समकक्षों से बात करने तथा दोनों राज्यों की बसों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

# बेलगावी में बस परिचालक के खिलाफ लड़की के परिवार ने पॉक्सो का मामला वापस लेने का फैसला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**परिचालक के खिलाफ पॉक्सो मामले के बारे में गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा,'मैंने इसकी पुष्टि करने को कहा है। मैंने मामला दर्ज करने के कारणों की रिपोर्ट मांगी है।' थाने के निरीक्षक के तबादले के बारे में उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में ऐसी चीजें होती रहती हैं।**

बेलगावी। जिस नाबालिग लड़की की शिकायत पर कर्नाटक के एक बस परिचालक के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था, उसके परिवार ने सोमवार को एक वीडियो बयान जारी कर कहा कि उन्होंने मामला वापस लेने का फैसला किया है और इस मामले को तूल नहीं देने का अनुरोध किया है, जो कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच भाषा का मुद्दा बन गया है।

एक यात्री को मराठी में जवाब नहीं देने पर कर्नाटक के स्वामित्व वाली परिवहन निगम की बस के परिचालक (कंडक्टर) पर हमला करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बाद में, नाबालिग लड़की ने भी शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि बस परिचालक ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया, जिसके आधार पर परिचालक के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। महाराष्ट्र की सीमा से लगे बेलगावी जिला मुख्यालय के बाहरी इलाके में शुक्रवार को हुई यह घटना अब दोनों राज्यों के बीच तनाव का कारण बन गई है।

परिवार द्वारा कथित तौर पर जारी किए गए एक वीडियो में, एक महिला, जिसे लड़की की मां बताया जा रहा है, ने घटना को याद करते हुए कहा कि जब उसका बेटा और बेटी अस्पताल से बेलगावी से बालेकुंडरी आ रहे थे, तो बस टिकट के मुद्दे पर विवाद हुआ, जिसे गलत तरीके से कन्नड़ और मराठी का मुद्दा बताया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम कन्नड़ से भी प्यार करते हैं, इसमें कोई भेदभाव नहीं है। कन्नड़ और मराठी के नाम पर बेवजह झूठा प्रचार किया जा रहा है।

महिला ने कहा कि परिवार इस बात से परेशान है कि कैसे इस घटना ने दोनों राज्यों के बीच तनाव पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा, हम इस बात से परेशान हैं कि इस मुद्दे ने कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच दरार पैदा कर दी है। हमारे मन में कन्नड़ या मराठी के प्रति कोई भेदभाव नहीं है। हम भी कन्नडिगा हैं, हमारी भाषा मराठी हो सकती है। परिवार ने कहा कि उन्होंने स्वेच्छा से मामला वापस लेने का फैसला किया है और सभी से अनुरोध किया है कि मामले को और तूल नहीं दिया जाए। महिला ने कहा, हमारी बेटी के साथ अन्याय हुआ है। स्थिति को देखते हुए हम मामला वापस लेंगे। हम यह सब बंद करने का अनुरोध करते हैं।

उन्होंने कहा कि मामला वापस लेने के लिए किसी की ओर से कोई दबाव नहीं है। हम स्वेच्छा से मामला वापस ले रहे हैं। बस परिचालक के खिलाफ पॉक्सो का मामला वापस लिए जाने के सवाल पर बेलगावी पुलिस आयुक्त इयादा मार्टिन मारबानियांग ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि उन्हें मीडिया के माध्यम से वीडियो में दिया गया बयान मिला है, जिसमें लड़की के परिवार ने कहा है कि वे मामला वापस लेना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने इस संबंध में अभी तक पुलिस से संपर्क नहीं किया है।

उन्होंने कहा, ''सबसे पहले उन्हें (पीड़िता के परिवार को) पुलिस स्टेशन में आधिकारिक तौर पर बयान दर्ज कराना होगा। मामले को बंद करने के लिए कुछ प्रक्रियाओं का पालन करना होगा। उनके बयान दर्ज होने के बाद ही यह किया जाएगा।'' इस बीच, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस परिचालक की शिकायत पर मामला दर्ज करने में देरी के लिए मरीहाल पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक का तबादला कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि संबंधित निरीक्षक को देरी पर स्पष्टीकरण देने के लिए एक नोटिस भी जारी किया गया है और फिलहाल उसे आयुक्त कार्यालय में भेजा गया है।

परिचालक के खिलाफ पॉक्सो मामले के बारे में गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, ''मैंने इसकी पुष्टि करने को कहा है। मैंने मामला दर्ज करने के कारणों की रिपोर्ट मांगी है।'' थाने के निरीक्षक के तबादले के बारे में उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में ऐसी चीजें होती रहती हैं।

# सीमा विवाद : कर्नाटक जाने वाली बसों में सुरक्षा प्रदान करने पर विचार कर रही महाराष्ट्र सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी/मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने मंगलवार को कहा कि राज्य परिवहन के कर्मचारियों पर हुए हमले के मद्देनजर पड़ोसी राज्य कर्नाटक जाने वाली बसों में सुरक्षा मार्शल या पुलिस कर्मियों को तैनात करने पर विचार किया जा रहा है। महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करना कर्नाटक सरकार की भी जिम्मेदारी है और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो (महाराष्ट्र) राज्य सरकार ऐसा करेगी।

राज्य सरकार ने शुक्रवार रात को चित्रदुर्ग में कथित तौर पर कन्नड भाषी कार्यकर्ताओं द्वारा राज्य परिवहन की एक बस और उसके चालक पर हुए हमले के बाद शनिवार को कर्नाटक जाने वाली महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बसों को निलंबित करने का आदेश दिया। उससे पहले उसी दिन, कर्नाटक सरकार के स्वामित्व वाले परिवहन निगम की बस के एक परिचालक पर महाराष्ट्र की सीमा से लगे बेलगावी में एक लड़की को मराठी में जवाब नहीं देने पर कथित तौर पर हमला किया गया। दोनों घटनाओं के बाद से दोनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव बढ़ गया है।

बेलगावी में मराठी भाषी लोगों की अच्छी खासी आबादी है और उनमें से एक वर्ग अक्सर मांग करता है कि कर्नाटक के इस सीमावर्ती जिले को महाराष्ट्र में मिला दिया जाए, जिसका कन्नड समर्थक कार्यकर्ता विरोध करते हैं। सरनाइक ने पीटीआई वीडियो' से कहा, मराठी हमारा गौरव है और हमें अपने यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों राज्यों द्वारा बस सेवाओं को निलंबित करने के कारण यात्रियों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कर्नाटक के अपने समकक्षों से बात कर रहे हैं।

सरनाइक ने कहा, परिवहन मंत्री के तौर पर मुझे अपने यात्रियों की सुरक्षा के बारे में सोचना होगा। अगर कुछ असामाजिक तत्व हैं, तो हमें कर्नाटक जाने वाली अपनी सरकारी बसों में सुरक्षा मार्शल या पुलिस कर्मियों को तैनात करने के बारे में सोचना होगा।'' उन्होंने कहा, मराठी हमारा गौरव है और हमें अपने यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना होगा तथा इस मुद्दे पर राज्य कैबिनेट की बैठक में भी चर्चा की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र का अपना गौरव है और अगर पड़ोसी राज्य के लोग महाराष्ट्र के लोगों को धमकाएंगे तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# विधानसभा में मंत्री की टिप्पणी पर गतिरोध जारी, कांग्रेस ने कार्यवाही का बहिष्कार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस नेताओं के बीच गतिरोध मंगलवार को भी जारी है और कांग्रेस के छह निलंबित विधायकों को सदन में प्रवेश नहीं करने दिया गया। निलंबित विधायकों का समर्थन कर रहे कांग्रेस के अन्य विधायक भी विधानसभा में प्रवेश नहीं कर पाए। कांग्रेस विधायक विधानसभा परिसर के बाहर धरने पर बैठ गए और नारेबाजी की। इस बीच, कांग्रेस के बहिष्कार के बीच सदन के अंदर प्रश्नकाल की कार्यवाही जारी रही।

राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर पिछले शुक्रवार से सदन में गतिरोध जारी है। इस गतिरोध के चलते सदन की कार्यवाही सोमवार को बार-बार बाधित हुई थी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को विधानसभा के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में कहा जिस बात को लेकर गतिरोध हुआ था, मंत्री की वह टिप्पणी आज भी कार्यवाही में मौजूद है और मंत्री एक शब्द नहीं बोल रहे हैं।

उन्होंने कहा हमारी मांग आज भी वही है कि मंत्री माफी मांगे उनके द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री के लिये कहे गये शब्दों को कार्यवाही से हटाया जाए और फिर हमारा निलंबन रद्द कर सदन चले।

डोटासरा ने कहा सदन इनको (सरकार को) चलाना है इनकी आंतरिक कलह है मुख्यमंत्री की विधानसभा अध्यक्ष की, वसुंधरा की, किरोड़ी मीणा की उसके चक्कर में पूरे राजस्थान के मुद्दों को नजरअंदाज करना चाहते है।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने संवाददाताओं से कहा सदन में गतिरोध को समाप्त करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विपक्ष के नेता दिशाहीन हो गए हैं और अनावश्यक मुद्दों पर गतिरोध पैदा कर रहे हैं, उन्हें सदन चलाने में मदद करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता अपनी अंदरूनी लड़ाई को सदन में लाना चाहते हैं। विपक्षी कांग्रेस ने मंत्री से माफी मांगने और विधायकों का निलंबन रद्द करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। विधानसभा में गतिरोध समाप्त करने के लिए अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के कक्ष में सत्तारूढ़ भाजपा के नेताओं और विपक्षी कांग्रेस नेताओं के बीच कई दौर की वार्ता हुई, लेकिन मामला सुलझ नहीं सका, क्योंकि निलंबित कांग्रेस विधायक और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान से अध्यक्ष और संसदीय कार्य मंत्री संतुष्ट नहीं थे। बाद में विपक्षी कांग्रेस ने दिनभर के लिए सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया। सदन की कार्यवाही सोमवार को व्यवधान के बीच चार बार स्थगित की गई थी।

उल्लेखनीय है कि मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी प्रश्न का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा था, 2023-24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था।

इस टिप्पणी के कारण सदन में भारी हंगामा हुआ था, और सदन की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी। हंगामे के कारण प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, रामकेश मीणा, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन, हाकम अली और संजय कुमार सहित छह कांग्रेस विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया गया था। सदन की बैठक स्थगित होने के बाद कांग्रेस विधायकों ने मंत्री से माफी मांगने और निलंबन रद्द करने की मांग करते हुए विधानसभा में धरना शुरू कर दिया था।

# नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण एवं धर्म परिवर्तन के प्रयास के आरोपी के घर में किया गया तोड़फोड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के ब्यावर जिले में बिजयनगर नगरपालिका ने नाबालिग लड़कियों का कथित रूप से यौन शोषण करने और जबरन धर्म परिवर्तन कराने के प्रयास में शामिल एक आरोपी के घर से सोमवार को अतिक्रमण हटा दिया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है तथा तीन आरोपी नाबालिग हैं। उसने बताया कि इस मामले में एक पूर्व निर्दलीय वार्ड पार्षद को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

बिजयनगर नगर पालिका के कार्यकारी अधिकारी प्रताप सिंह ने पांच आरोपियों को दस्तावेज पेश करने के लिए नोटिस दिया था और सोमवार को आरोपी अरमान के घर पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। नगर पालिका की टीम ने सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण को भी हटाया और जहां ऐसा निर्माण पाया गया, वहां परिसर को सील कर दिया।

इस बीच, नाबालिग लडकियों के कथित यौन शोषण और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयास के विरोध में सोमवार को ब्यावर, बिजयनगर, केकड़ी, मसूदा, सरवाड़ और आसपास के इलाकों में बाजार बंद रहे।

विभिन्न संगठनों ने आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग को लेकर रैलियां निकालीं। मसूदा पुलिस उपाधीक्षक सज्जन सिंह ने बताया कि मामले में पूर्व वार्ड पार्षद हकीम कुरैशी को गिरफ्तार किया गया है तथा पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

उन्होंने बताया कि कुरैशी को रविवार शाम को कोटडा की एक अदालत में पेश किया गया और अदालत ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पिछले सप्ताह, बिजय नगर थाने में पांच लड़कियों के परिवार के सदस्यों द्वारा यौन शोषण, बलात्कार, पीछा करने और पोक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत संबंधित धाराओं के तहत शिकायत दर्ज करायी थी जिसके बाद 10 मुस्लिम युवकों के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने बताया कि पांच लड़कियों ने पुलिस में शिकायत की थी कि कुछ लोगों ने उन्हें चीनी मोबाइल दिए और उनका यौन शोषण किया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने कथित तौर पर सोशल मीडिया के जरिए लड़कियों से संपर्क किया और उन्हें बात करने के लिए चीनी मोबाइल फोन दिए।

पुलिस का कहना है कि पीड़ित नाबालिग लड़कियों ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है और धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा है।

# कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा के सामने दिया धरना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के तृतीय एवं बजट सत्र में शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर टिप्पणी को लेकर सदन में हंगामा के बाद उत्पन्न गतिरोध जारी हैं और कांग्रेस विधायकों ने इस टिप्पणी एवं छह कांग्रेस विधायकों के निलंबन के विरोध में मंगलवार को विधानसभा के बाहर धरना शुरु कर दिया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा गेट के बाहर धरना शुरु किया और इसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, जूली सहित कई विधायक एवं पार्टी नेता शामिल हुए। इससे पहले कांग्रेस के निलंबित विधायक विधानसभा में जाने का प्रयास किया लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा के बाहर धरने पर बैठ गए।धरने पर कांग्रेस विधायकों एवं नेताओं द्वारा नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया जा रहा है और श्रीमती इंदिरा गांधी पर टिप्पणी करने वाले मंत्री माफी मांगने एवं निलंबित कांग्रेस विधायकों को बहाल करने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को विधानसभा में प्रश्नकाल में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने एक प्रश्न के जवाब में श्रीमती इंदिरा गांधी पर टिप्पणी करने के बाद कांग्रेस के विधायक वेल में आ गये और हंगामा हुआ। इस दौरान कांग्रेस विधायकों के आसन के नजदीक पहुंच जाने पर डोटासरा सहित छह विधायकों को बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद कांग्रेस विधायक वेल में ही धरने पर बैठ गये और रविवार तक इनका विधानसभा में धरना जारी रहा और सोमवार को एक बार सत्ता पक्ष एवं विपक्ष में बातचीत से गतिरोध समाप्त होता नजर आया लेकिन दोनों पक्ष एक दूसरे से पहले माफी मांगने पर अड़ जाने से गतिरोध जारी रहा।

# चुनाव संबंधी गलत एवं भ्रामक सूचनाओं पर निगरानी के लिए जिला स्तरीय समितियां होंगी अधिक सक्रिय

**हाजन ने निर्वाचन विभाग में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में प्रसारित चुनाव संबंधी सूचनाओं की मॉनिटरिंग एवं कार्यवाही के लिए राज्य स्तर पर सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में एक चार-सदस्यीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन समिति गठित की है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान निर्वाचन विभाग एवं भारत निर्वाचन आयोग की गतिविधियों तथा क्रियाकलापों सहित लोकसभा और राज्य विधानसभा से सम्बंधित चुनावी प्रक्रिया के बारे में जन संचार माध्यमों में भ्रामक अथवा गलत खबरों, सूचनाओं (फेक न्यूज) के प्रसारण को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इसके लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों (कलक्टर) को निर्देश जारी किए हैं।

महाजन ने निर्वाचन विभाग में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में प्रसारित चुनाव संबंधी सूचनाओं की मॉनिटरिंग एवं कार्यवाही के लिए राज्य स्तर पर सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में एक चार-सदस्यीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन समिति गठित की है। यह समिति मीडिया में प्रकाशित भ्रामक जानकारी एवं गलत तथ्यों वाले समाचारों के बारे में जिला स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही के लिए समन्वय का कार्य करेगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि जिलों में विभिन्न मीडिया माध्यमों यथा समाचार-पत्र पत्रिकाओं, समाचार चैनल और सोशल मीडिया की नियमित रूप से प्रभावी निगरानी की जाए। इसके लिए जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं सर्टिफिकेशन समिति (डीएमसीएमसी) सक्रिय रहकर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया माध्यमों पर निर्वाचन आयोग और चुनावी प्रक्रिया के सम्बन्ध में प्रकाशित अथवा प्रसारित संवेदनशील खबर और सूचना विशेष पर नजर रखे। किसी भ्रामक, गलत अथवा संदेहास्पद सूचना के प्रकाशन पर त्वरित संज्ञान लेकर सम्बंधित विभाग अथवा शाखा से उसका तथ्यात्मक विवरण प्राप्त कर सही जानकारी एवं तथ्य सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किए जाएं। गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय समिति (डीएमसीएमसी) कार्यरत है। इस समिति में सहायक रिटर्निंग अधिकारी, जिले में कार्यरत केन्द्र सरकार के सूचना सेवा के अधिकारी, स्थानीय स्वतंत्र पत्रकार और सोशल मीडिया विशेषज्ञ सदस्य के रूप में शामिल हैं। जिला सूचना एवं जन सम्पर्क कार्यालय का प्रभारी अधिकारी इस समिति का सदस्य सचिव है. मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस समिति को अधिक सजग और सक्रिय रहकर मीडिया में प्रसारित चुनावी प्रक्रिया से जुड़ी सूचनाओं की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा है कि जिला समिति स्थानीय स्तर पर प्रकाशित अथवा प्रसारित हुई फेक न्यूज तथा उसके विषय में की गई कार्यवाही के बारे में विभाग को तत्काल अवगत करवाएगी।

# नकल एवं पेपर लीक को रोकने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करें अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिला प्रशासन, जयपुर ने आगामी 27 फरवरी एवं 28 फरवरी, 2025 को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा आयोजित होने वाली राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) के सफल आयोजन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों एवं कार्मिकों को किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के हिदायत दी है। ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले अथवा परीक्षा से संबंधित कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी एवं कार्मिकों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

जिला परीक्षा संचालन समिति के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) गोपाल सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा में जयपुर शहर के 233 परीक्षा केन्द्रों पर तीन पारी में कुल 2 लाख 70 हजार 18 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। गुरुवार, 27 फरवरी को प्रथम पारी (प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक) में लेवल प्रथम (कक्षा 1 से 5) की परीक्षा आयोजित होगी जिसमें 87 हजार 413 उम्मीदवार पंजीकृत हैं।

द्वितीय पारी में (दोपहर 3 बजे से सांय 5:30 बजे तक) लेवल द्वितीय (कक्षा 6 से 8) की परीक्षा का आयोजन होगा जिसमें 91 हजार 537 उम्मीदवार पंजीकृत हैं। वहीं, शुक्रवार 28 फरवरी को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक लेवल द्वितीय (कक्षा 6 से 8) की परीक्षा आयोजित होगी जिसमें 91 हजार 68 उम्मीदवार पंजीकृत हैं।

अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) गोपाल सिंह शेखावत ने बताया कि परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर राजस्थान प्रशासनिक सेवा एवं समकक्ष सेवा के 24 अधिकारियों को एरिया अधिकारी एवं राजस्थान तहसीलदार सेवा एवं समकक्ष सेवा के 48 अधिकारियों को जोनल अधिकारी के रूप में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस प्रकार प्रत्येक 10 केन्द्रों पर एक एरिया अधिकारी एवं प्रत्येक 5 परीक्षा केन्द्रों पर एक जोनल अधिकारी की नियुक्ति की गई है।

# सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के निदेशक ने ली बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं विशिष्ट शासन सचिव हरि मोहन मीना ने अधिकारियों को बजट घोषणाओं के समयबद्ध एवं बेहतर क्रियान्वयन के लिए त्वरित गति व गुणवत्ता से दायित्व निभाने के निर्देश दिए हैं। मीना मंगलवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय अम्बेडकर भवन के सभागार में निदेशालय स्तर के अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने वर्ष 2024-25 की लंबित बजट घोषणाओं को धरातल पर शीघ्र उतारने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बजट 2025-26 की घोषणाओं के अनुसार और आवश्यकता के अनुरूप भूमि चिह्निकरण एवं आवंटन से जुड़ी गतिविधियों को तय समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। मीना ने वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों और इनमें शामिल कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि हर कार्य में समयबद्धता, गुणवत्ता और उपयोगिता पर विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। इसके लिए बजट घोषणाओं के कार्यों को रफ्तार देने की जरूरत है। अधिकारियों ने बजट घोषणाओं के अन्तर्गत विभिन्न कार्यों, भूमि आवंटन की स्थिति और प्रगति की जानकारी दी।

इस दौरान प्रदेश में अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति कल्याण के साथ ही विशेष रूप से जनजाति उपयोजना क्षेत्र तथा अनुसूचित जाति की बसावटों के निवासियों को आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, अल्प आय वर्ग के बुजुर्ग व्यक्तियों, विधवाओं, एकल नारियों, दिव्यांग व्यक्तियों तथा लघु एवं सीमांत कृषकों को देय पेंशन को बढ़ाने, बेघर वृद्ध जन एवं असहाय निराश्रित व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु स्थापित किया जा रहे स्वयं सिद्ध आश्रमों, विमुक्त घुमंतू और अर्ध घुमंतु समुदायों के सशक्तिकरण एवं उत्थान की दृष्टि से दादू दयाल घुमंतू सशक्तिकरण योजना प्रारंभ करने, प्रदेश के एससी-एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, सफाई कर्मचारी, दिव्यांगजन आदि को आर्थिक संबल प्रदान करने की दृष्टि से अनुजा, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक निगमो द्वारा दिए गए ऋणों के क्रम में वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लाने, 16 जिलों में विद्यालय स्तरीय सावित्रीबाई फुले छात्रावास खोलने, 17 जिलों में महाविद्यालय स्तरीय बालिका छात्रावास खोलने सहित अन्य विभिन्न विषयों पर विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।य्स्न

बैठक में वित्तीय सलाहकार श्रीमती अंजू सिंह, अतिरिक्त निदेशक सूंडाराम मीणा, उप निदेशक श्रीमती दीपाली भगोतिया, अतिरिक्त निदेशक श्रीमती रीना शर्मा, अतिरिक्त निदेशक अशोक जांगिड़ सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

## बैठक

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को जयपुर में राजस्थान विधानसभा में भाजपा विधायक दल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

# पड़ोसी ने मासूम के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में सात वर्षीय एक लड़की के साथ उसके पड़ोसी ने कथित तौर पर दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने मंगलवार को बताया कि 25 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बताया कि यह लड़की सोमवार को लापता हो गई थी। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) तेजस्विनी गौतम ने बताया कि शिकायत मिलने पर पुलिस की एक टीम ने तलाशी शुरू की और लड़की का शव उसके परिवार के किराए के घर की छत पर मिला। उन्होंने बताया कि सबूत जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया।

# महाकुंभ ने प्रयागराज, अयोध्या, काशी, मथुरा, गोरखपुर को नए पंच तीर्थ के रूप में जोड़ा : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधान परिषद में कहा कि महाकुंभ ने प्रयागराज, अयोध्या, काशी, मथुरा, गोरखपुर को नए पंच तीर्थ के रूप में जोड़ा है तथा प्रदेश अब नए युग की ओर अग्रसर हो रहा है। विधानमंडल बजट सत्र के छठवें दिन विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के आयोजन को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ में सभी को अपनी दृष्टि के अनुरूप चीजें देखने मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा महाकुंभ दुनिया में अब तक हुए सभी आयोजनों के रिकॉर्ड तोड़ रहा है। प्रयागराज महाकुंभ ने प्रदेश में नए पंच तीर्थ को जोड़ा है, जिसके माध्यम से श्रद्धालु प्रयागराज, अयोध्या, काशी, गोरखपुर, मथुरा दर्शन करने लिए पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब पूरा विश्व प्रयागराज के महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता का साक्षी बन रहा है, तब विपक्ष सिर्फ आलोचना करने में व्यस्त है। उन्होंने कहा यह कोई साधारण आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सनातन परंपरा, आस्था और संस्कृति का वह महोत्सव है, जिसने देश की प्रतिष्ठा को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि अब तक 64 करोड़ श्रद्धालु इस दिव्य आयोजन में शामिल हो चुके हैं, जो विश्व के किसी भी धार्मिक आयोजन में

शामिल होने वाले लोगों की संख्या से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज एक नए युग की ओर बढ़ रहा है।

आदित्यनाथ ने कहा कि महान कार्यों के प्रति समाज का रवैया तीन चरणों से गुजरता है – उपहास, विरोध और अंततः स्वीकृति। उन्होंने कहा राम मंदिर निर्माण और महाकुंभ आयोजन के दौरान भी यही देखने को मिला। पहले विपक्ष ने तंज कसे, फिर विरोध किया, लेकिन अंततः वे भी इसी आस्था में समर्पित हो गए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वयं संगम में स्नान कर आए, और नेता प्रतिपक्ष ने खुद को पहले सनातनी बताया, बाद में समाजवादी। यह उनकी स्वीकृति का प्रमाण है। योगी ने महाकुंभ की तुलना दुनिया के अन्य धार्मिक आयोजनों से करते हुए कहा कि मक्का में हज के दौरान 1.4 करोड़, वेटिकन सिटी में साल भर में 80 लाख, जबकि अयोध्या धाम में मात्र 52 दिनों में 16 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। उन्होंने कहा इसी तरह, काशी, मथुरा-वृंदावन और अन्य तीर्थों में भी करोड़ों श्रद्धालु पहुंचे, जिससे यह साबित हुआ कि भारत की सनातन परंपरा केवल धार्मिक मान्यताओं तक सीमित नहीं, बल्कि विश्व संस्कृति की आधारशिला है। उन्होंने कटाक्ष किया कि कुछ लोग हर बार महाकुंभ को बदनाम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन इस आयोजन ने हर नकारात्मक प्रचार को ध्वस्त कर दिया। आदित्यनाथ ने गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को भी कड़ा जवाब दिया। उन्होंने विपक्ष पर प्रयागराज महाकुंभ को बदनाम करने की साजिश का आरोप लगाते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार किया गया। कुछ लोगों ने दावा किया कि गोरखपुर-बस्ती मंडल के 35 लोग लापता हैं, लेकिन वे सभी सुरक्षित अपने घर लौट आए। उन्होंने दावा किया कि श्रद्धालु 12-12 दिन तक कुंभ में घूमते रहे, भंडारों में भोजन किया और आश्रमों में विश्राम किया।

योगी ने स्पष्ट किया कि प्रयागराज का मेडिकल कॉलेज पूरे जनपद का है और कुंभ क्षेत्र अस्थायी जनपद के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा इसलिए वहां होने वाली किसी भी दुर्घटना या मृत्यु की जानकारी मेडिकल कॉलेज में दर्ज होती है। कुछ लोगों ने इस तथ्य को तोड़-मरोड़ कर हजारों मौतों की अफवाह फैलाई, जबकि डिजिटल कुंभ प्रणाली ने 28,000 बिछड़े लोगों को उनके परिजनों से मिलाया।

## भय पर आस्था भारी

# मौनी अमावस्या की भगदड़ के दौरान मौजूद रहे व्यक्ति की मां व भाई ने लगाई डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**महाकुंभनगर/भाषा।** आस्था के भय पर भारी पड़ने का एक अनूठा उदाहरण बिहार के रौशन साह का है, जिन्होंने सोमवार को अपनी 80 साल की मां और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ महाकुंभ में त्रिवेणी में स्नान किया। रौशन के भाई 29 जनवरी को यहां हुई भगदड़ के दौरान महाकुंभ मेला क्षेत्र में मौजूद थे। बांका जिले के रहने वाले साह बिहार निवासी परिवार के 10 अन्य सदस्यों के साथ अब अयोध्या जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, मेरे बड़े भाई और भतीजा मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ नगर आए थे और वो उस स्थान करीब थे, जहां भगदड़ हुई थी। इसके बावजूद हम इस विशाल समागम में हिस्सा लेना चाहते थे, इसलिए हमने यह यात्रा की। 'पीटीआई-भाषा' ने इस परिवार से गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदी के संगम स्थल पर पवित्र स्नान के बाद बातचीत की। साह की 80 वर्षीय मां चिंता देवी ने भी संगम में डुबकी लगाई। पिछले महीने प्रयागराज में मची भगदड़ में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 अन्य लोग घायल हो गए थे। जबकि हाल ही में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़भाड़ के कारण मची भगदड़ में 18 लोगों की जान चली गई थी।

यह पूछे जाने पर कि क्या भगदड़ की घटनाओं के बाद वह महाकुंभ मेले में जाने को लेकर घबरा रही हैं, देवी ने कहा, मर जाई ता तर जाई (अगर मैं मर जाऊंगी, तो मुझे मोक्ष मिलेगा)। मृत्यु भगवान की इच्छा है, इसलिए डर क्यों लगेगा? साह ने कहा कि उनके गृहनगर में कई लोगों ने सुरक्षा चिंताओं के कारण उन्हें महाकुंभ मेले में जाने से मना किया था। देश के विभिन्न भागों से आए सैकड़ों तीर्थयात्री संगम स्थल के पास प्रयागराज की सड़कों पर उमड़े हैं। ये लोग अपने गृहनगर या अगले गंतव्य की ओर जा रहे हैं। मुट्ठीगंज और कीडगंज को जोड़ने वाली सड़क जाम रही और इस पर वाहनों का आवागमन बंद रहा। साह और उनका परिवार शाम को प्रयागराज जंक्शन पहुंचने के लिए भारी भीड़ से दो-चार हुए। उनके बहनोई सौरभ कुमार, पत्नी व मां और एक बच्चा उनके साथ संगम पहुंचे, जहां अब तक 60 करोड़ से अधिक लोग पवित्र स्नान कर चुके हैं।

# 'बिहार में और अधिक समावेशी स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित किए जाने की जरूरत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि बिहार सरकार ने चिकित्सा बुनियादी ढांचे के समग्र विकास के लिए बहुत कुछ किया है लेकिन राज्य में और अधिक समावेशी स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित किए जाने की जरूरत है।

यहां बापू सभागार में पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, बिहार सरकार ने चिकित्सा बुनियादी ढांचे के समग्र विकास के लिए बहुत कुछ किया है, लेकिन राज्य में और अधिक समावेशी स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित किए जाने की आवश्यकता है। पीएमसीएच को कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज, अनुसंधान के लिए देश के अन्य अस्पतालों के साथ समन्वय करना चाहिए। राष्ट्रपति मंगलवार को बिहार की यात्रा पर पूर्वाह्न करीब पौने 12 बजे यहां पहुंचीं और समारोह में शामिल होने के लिए बापू सभागार के लिए रवाना हो गयीं। मुर्मू के यहां पहुंचने पर पटना हवाई अड्डे पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति की बिहार यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं। कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा राज्य सरकार के कई अन्य मंत्री उपस्थित थे।

# असम की अर्थव्यवस्था 2030 तक 143 अरब अमेरिकी डॉलर की होगी : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गुवाहाटी/भाषा।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि 2030 तक असम की अर्थव्यवस्था 143 अरब डॉलर की हो जाएगी। उन्होंने निवेशकों से राज्य की विकास यात्रा हिस्सा बनने का आग्रह भी किया।

यहां दो दिवसीय 'एडवांटेज' असम 2.0 निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य अब सबसे ''अशांत'' से ''सबसे शांत'' राज्य बन गया है। उन्होंने दावा किया, इस साल राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 15.2 प्रतिशत होगी। यह 2030 तक 143 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। शर्मा ने 60 से अधिक देशों के मिशन प्रमुखों और राजदूतों, विदेशी व्यापार प्रतिनिधिमंडलों और देश के उद्योग जगत के नेताओं की मौजूदगी में कहा, मैं आज आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि हम असम में उद्योगों की स्थापना के लिए सबसे अच्छा काम और अनुकूल माहौल सुनिश्चित करेंगे। कृपया यहां आएं और निवेश करें। उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय

जनता पार्टी (भाजपा) के केन्द्र की सत्ता में आने के बाद से राज्य में पुनरुत्थान देखा गया है। मोदी ने कहा, ''आजादी के बाद असम की अर्थव्यवस्था में गिरावट शुरू हो गई क्योंकि व्यापार संबंध बाधित हो गए... दशकों तक असम ने आंदोलन और उग्रवाद देखा। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में असम का पुनर्जन्म हुआ। एक समय सबसे अशांत राज्य, असम आज सबसे शांत राज्यों में से एक बन गया।'' शर्मा ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार सभी राज्यों को निवेश आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री प्रतिस्पर्धी संघवाद को प्रोत्साहित करते हैं। यही कारण है कि उन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरे कार्यकाल का कार्यभार संभालने के बाद से विभिन्न राज्यों में सात व्यावसायिक शिखर सम्मेलनों में भाग लिया है, ताकि सभी राज्य एक साथ विकास पथ पर आगे बढ़ सकें।''

# सरकार ने रोजगार बढ़ाने के लिए कंपनियों से कौशल केंद्र स्थापित करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोलकाता/भाषा।** केंद्र ने कॉरपोरेट जगत से अपने यहां कौशल केंद्र स्थापित करने का आग्रह किया है, ताकि स्नातक कर रहे युवाओं की रोजगार क्षमता में सुधार हो। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौड़ मुखर्जी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज में कुशल युवाओं की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। वर्ष 2024 में शुरू की गई प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के तहत पायलट चरण में 1.25 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके तहत अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को कुशल बनाने का लक्ष्य है।

मुखर्जी ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम में कहा, कंपनियों की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक है और इसकी संख्या बढ़ाने की जरूरत है। कंपनियों को अपने यहां कौशल प्रकोष्ठ स्थापित करने चाहिए, ताकि रोजगार योग्य कार्यबल बढ़ सके। पीएमआईएस के तहत इंटर्नशिप कार्यक्रम को सुविधाजनक बनने के लिए इसे कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) का हिस्सा बनाया गया है।

# सुबह से शाम तक, सूर्यास्त से सूर्योदय तक... त्रिवेणी संगम पर चौबीसों घंटे होता है स्नान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**महाकुंभनगर/भाषा।** प्रयागराज में गंगा नदी के तटों पर चौबीसों घंटे तीर्थयात्रियों की भीड़ लगी रहती है, पूजा सामग्री बेचने वाले तथा संगम स्थल पर उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हर जगह सुरक्षा कर्मचारी तैनात रहते हैं – त्रिवेणी संगम वह स्थान है जहां दिन और रात का अंतर नज़र नहीं आता।

सुबह से शाम तक और आधी रात से भोर तक, इस पवित्र नगरी में मानवता के विशाल समागम में आध्यात्मिक स्नान का चक्र बिना रुके चलता रहता है। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक उत्सव महाकुंभ का बुधवार को महाशिवरात्रि के दिन अंतिम 'स्नान' के साथ समापन हो जाएगा। अब हर समय महाकुंभ मेला क्षेत्र में लोगों के सैलाब को आता-जाता देखा जा सकता है। कई लोग पवित्र डुबकी के लिए दिन के समय होने वाली भारी भीड़ से बचने के लिए रात का वक्त चुनते हैं। सोमवार देर रात करीब 1.30 बजे, जब देश का अधिकांश हिस्सा सो रहा था, संगम के घाट तथा उस स्थान के पास जन-जीवन गुलजार था, तथा लोगों का सैलाब केवल एक ही उद्देश्य से उमड़ रहा था कि गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदी के संगम पर 'कुंभ स्नान' करना है। हर घंटे भीड़ बढ़ती गई। तीर्थयात्री नदी के किनारे पहुंचने के लिए एक-दूसरे से धक्का-मुक्की करते रहे और पवित्र स्नान करने वाले लोग अपने कपड़े बदलने के लिए जगह ढूंढने के लिए संघर्ष करते रहे। घाट श्रद्धालुओं से अटे पड़े थे जिसमें हर आयु वर्ग के लोग शामिल थे। झारखंड के साहिबगंज से आए एक तीर्थयात्री ने अपनी पत्नी और बेटे के साथ रात करीब दो बजे स्नान किया। उन्होंने कहा, 'जय गंगा मैया, मैंने स्नान कर लिया और मुझे नया उत्साह महसूस हो रहा है। मैं पहली बार कुंभ मेले में आया हूं, मुझे खुशी है कि मैं इसका हिस्सा बन सका।' जैसे-जैसे भीड़ बढ़ती गई, कई लोग त्रिवेणी संगम के पास बैठे गए। पुलिसकर्मी घाट के किनारे घूम रहे थे और लोगों को निर्देश दे रहे थे कि वे घाट के किनारे जमीन पर बैग न रखें और जगह बनाने के लिए धक्का-मुक्की न करें।

# नीतीश कुमार के पुत्र ने बिहार के लोगों से पिता के लिए मांगे वोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत ने प्रदेश के युवाओं तथा हर उम्र एवं तबके के लोगों से उनके पिता को वोट देने का आह्वान किया है।

निशांत से पत्रकारों ने यह पूछा कि कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके पिता को लाडला' मुख्यमंत्री बताया, तो उन्होंने कहा, गठबंधन है तो वह (मोदी) बोलेंगे ही, अच्छा है। उन्होंने (नीतीश कुमार ने) अच्छा काम जो किया है। उन्होंने कहा, हम आप मीडिया के माध्यम से राज्य के युवाओं और हर उम्र तथा तबके के लोगों से आह्वान करेंगे कि वे उन्हें वोट दें। पिता जी ने प्रदेश का विकास किया है। पिछली बार लोगों ने 43 सीट दीं तब भी उन्होंने विकास का काम जारी रखा, तो इस बार सीट बढ़ाने की जरूरत है ताकि पिताजी विकास कार्यों को जारी रखें। निशांत से जब राजनीति क्षेत्र में उनके आने के बारे में पूछा तो सवाल को टालते कहा, अरे छोडिए ... और मैं पार्टी के कार्यकर्ताओं से आह्वान करता हूं कि जन-जन के बीच जाकर पिताजी की नीतियों और उन्होंने विकास का जो काम किया है, उसे उन तक पहुंचाए।

# अब्दुल्ला आजम खान हुए जेल से रिहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हरदोई (उप्र)/भाषा।** समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान करीब डेढ़ वर्ष बाद मंगलवार को हरदोई जिला कारागार से रिहा हुए। उनकी पार्टी के नेताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत करने के लिए जेल के बाहर जमावड़ा लगा दिया। दोपहर करीब 12 बजे सफेद कुर्ता-पायजामा और गहरे रंग की स्लीवलेस वास्कट पहने अब्दुल्ला को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 17 माह बाद जेल से रिहा किया गया। वह किसी से मिले बिना और मीडिया से बात किये बिना रामपुर के लिए रवाना हो गए।

अब्दुल्ला के अधिवक्ता सतनाम सिंह नट्टू ने हरदोई जेल के बाहर

संवाददाताओं से कहा, जैसा कि पूरा देश जानता है, मोहम्मद आजम खान और उनके परिवार को सताया गया और जेल में रखा गया। आज हम भगवान, अल्लाह, वाहेगुरु का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने अब्दुल्ला भाई की रिहाई का रास्ता साफ किया। वह आखिरकार आज रिहा होकर घर लौटेंगे। अब्दुल्ला आजम सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री आजम खान के बेटे हैं जो विभिन्न मामलों के तहत सीतापुर की जेल में बंद हैं। रामपुर जिले के स्वार विस से 2022 में समाजवादी पार्टी से निर्वाचित अब्दुल्ला आजम की सदस्यता एक आपराधिक मामले में सजा सुनाये जाने के बाद निरस्त हो गयी थी और वे सदन से अयोग्य घोषित हो गये। इसके पहले अब्दुल्ला आजम की रिहाई की खबर सुनकर मुरादाबाद की सपा सांसद रुचि वीरा समेत कई नेता और कार्यकर्ता हरदोई जेल के बाहर पहुंच गये। रुचि वीरा ने न्यायपालिका में अपना विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, हमें हमेशा से न्यायपालिका पर भरोसा था और आगे भी रहेगा। आज न्याय हुआ है और हमें उम्मीद है कि भविष्य में भी न्याय होगा। अब्दुल्ला आजम खान को हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने जमानत दी थी। लेकिन रामपुर में सांसद-विधायक अदालत के समक्ष एक अलग मामले में लंबित कानूनी औपचारिकताओं के कारण वह अभी भी जेल में थे। पिछले कुछ वर्षों में उनके खिलाफ 45 मामले दर्ज हुए थे और सभी में उन्हें जमानत मिल गई थी। जमानत सत्यापन से संबंधित प्रक्रियागत मुद्दों के कारण उनकी रिहाई में देरी हुई। सोमवार को सांसद-विधायक अदालत से रिहाई का आदेश हरदोई जेल भेजा गया, जिससे उनकी रिहाई का रास्ता साफ हुआ।

# काशी में महाशिवरात्रि के अगले दिन निकलेगी शिव बारात, कांग्रेस ने इसे मूल परंपरा से खिलवाड़ बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। वाराणसी में महाकुंभ से आने वाली भारी भीड़ के चलते, चार दशकों से निकाली जाने वाली शिव बारात इस बार महाशिवरात्रि के दिन नहीं बल्कि उसके अगले दिन 27 फरवरी को निकाली जाएगी।

काशी में महाशिवरात्रि के दिन पिछले 42 सालों से लगातार शिव बारात निकालने वाली समिति ने यह निर्णय लिया है और समिति से जुड़े एक पदाधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उधर, कांग्रेस पार्टी की उप्र इकाई के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय ने शिव बारात को शिवरात्रि के दिन ना निकालकर दूसरे दिन निकाले जाने को काशी की मूल परंपरा से खिलवाड़ बताया

है। उन्होंने कहा कि काशी के सांसद होने के नाते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस निर्णय में हस्तक्षेप करना चाहिए। शिव बारात समिति के मंत्री कमल कुमार सिंह ने बताया कि महाकुंभ से आने वाली भीड़ को देखते हुए इस बार शिव बारात शिवरात्रि के दूसरे दिन यानी 27 फरवरी को निकाली जाएगी। सिंह ने बताया प्रशासन ने महाकुंभ की भीड़ को देखते हुए इस बार शिव बारात ना निकालने की बात की। तब हमने शिवरात्रि के दूसरे दिन शिव बारात निकालने का प्रस्ताव दिया। इस पर प्रशासन भी तैयार हो गया।

समिति के मंत्री ने बताया कि शिव बारात समिति लगातार 42 सालों से शिवरात्रि के पावन अवसर पर शिव बारात निकाल रही है। यह 42 सालों में पहली बार है, जब महाकुंभ की भीड़ को देखते हुए शिवरात्रि के दूसरे दिन शिव बारात निकाली जा रही है। काशी के ही निवासी, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि देवाधिदेव महादेव के त्रिशूल पर बसी अविनाशी काशी में बाबा भोलेनाथ के भूत, पिशाच, ताल, बैताल, सभी देवी-देवताओं के संग निकलने वाली दुनिया की पहली विश्व प्रसिद्ध शिव-बारात इस बार शासन-प्रशासन के दबाव में महाशिवरात्रि के एक दिन बाद 27 फरवरी को निकालना काशी की मूल परंपरा से खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि परंपरा के अनुसार बारात महामृत्युंजय मंदिर, दारानगर से उठकर मैदागिन, बुलानाला चौक, बाबा धाम गोदौलिया होते हुए चितरंजन पार्क तक जाती है। वहां वधू-पक्ष भांग ठंडाई, माला-फूल से बारातियों की अगवानी करता है।

राय ने कहा कि नगर में निकलने वाली विश्व प्रसिद्ध शिव-बारात का यह 43वां वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि काशी की यह मूल परंपरा आस्था के साथ हर काशीवासी के हृदय में बसती है। राय ने कहा काशी की पहचान यहां की संस्कृति, आस्था, पुरातन संस्कृति, अध्यात्म से है और यहां की परंपरा विश्व पटल पर महत्व रखती है। उसी परंपरा को लगातार भाजपा सरकार खत्म कर रही है। कांग्रेस नेता राय ने कहा कि शादी के बाद बारात ना निकालना तो पूर्ण रूप से वैवाहिक परंपरा एवं रीति रिवाज के साथ खिलवाड़ है। जिस काशी की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और परम्परा के आगे दुनिया ने घुटने टेक दिए, उस परंपरा से खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए।

# उच्चतम न्यायालय ने बिहार विधान परिषद से राजद नेता सुनील कुमार सिंह का निष्कासन किया रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने बिहार विधान परिषद के सदस्य तथा राष्ट्रीय जनता दल के नेता सुनील कुमार सिंह का, अशोभनीय आचरण के लिये सदन से निष्कासन यह कहते हुए रद्द कर दिया कि यह सजा अत्यधिक है। सिंह के आचरण को सदन के सदस्य के लिये अशोभनीय करार देते हुये शीर्ष अदालत के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि विधान परिषद को और अधिक उदार होना चाहिये था।

अदालत ने पिछले साल दिसंबर में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी उस अधिसूचना को भी खारिज कर दिया, जिसमें सिंह की सीट पर उपचुनाव की घोषणा की गई थी। पीठ ने सिंह को उनके 'अशोभनीय' आचरण के लिए पहले से ही बिताई गई अवधि के लिए निलंबन की सजा सुनाई, और कहा कि वह निलंबन अवधि के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं मांगेंगे।

पिछले साल 26 जुलाई को, सिंह को सदन में उनके 'अशोभनीय' आचरण के लिए बिहार विधान

परिषद से निष्कासित कर दिया गया था। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनके परिवार के करीबी माने जाने वाले सिंह पर 13 फरवरी, 2024 को सदन में तीखी नोकझोंक के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करने का आरोप लगाया गया था।

आचार समिति की ओर से 2024 में परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह को अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने के एक दिन बाद, सिंह के निष्कासन का प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित कर दिया गया था। सिंह पर मुख्यमंत्री के हाव-भाव की नकल करके उनका अपमान करने तथा आचार समिति के समक्ष उपस्थित होने के बाद उसके सदस्यों की योग्यता पर सवाल उठाने का भी आरोप लगाया गया।

## सुविचार

**कागजों को एक साथ जोड़े रखने वाली पिन ही कागजों को चुभती है, उसी प्रकार परिवार को भी वहीं व्यक्ति चुभता है जो परिवार को जोड़ के रखता है।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# कैग रिपोर्ट : गहरे भंवर में 'आप'

दिल्ली की पूर्ववर्ती 'आप' सरकार की आबकारी नीति पूर्व मुख्यमंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का जल्दी पीछा छोड़ने वाली नहीं है। विधानसभा में पेश की गई कैग रिपोर्ट के इस खुलासे कि 'दिल्ली सरकार को वर्ष 2021-2022 की आबकारी नीति के कारण 2,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ', ने 'आप' को आड़े हाथों लेने के लिए भाजपा को एक और मौका दे दिया है। भले ही पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी यह कहकर आबकारी नीति का बचाव करें कि 'उससे पुरानी नीति भ्रष्टाचार और तस्करी से ग्रस्त थी', इस संपूर्ण घटनाक्रम से केजरीवाल की छवि को गहरा धक्का लगा है। कभी ईमानदारी, सादगी, सच्चाई, नैतिकता और न्याय की बातें करते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर हमला बोलने वाले केजरीवाल जब खुद आरोपों के भंवर में फंसे तो ऐसे फंसे कि विधानसभा चुनाव में अपनी सीट भी हार गए। इतिहास गवाह है, शराब की बोतलों में बड़ी-बड़ी सल्तनतें डूब गईं। अगर केजरीवाल इतिहास से सबक लेते तो इस साल दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ और ही होते। अरविंद केजरीवाल के 'गुरु' अन्ना हजारे भी स्वीकार कर चुके हैं कि शराब की दुकानें खोलने की वजह से लोगों ने उन्हें सबक सिखाया। हालांकि बात सिर्फ इतनी नहीं है। 'आप' सरकार के पतन में आबकारी नीति ने बड़ी भूमिका यकीनन निभाई थी। इसके अलावा भी कई कारण थे, जिनकी ओर 'आप' के शीर्ष नेतृत्व ने कोई ध्यान नहीं दिया था। जब केजरीवाल का भारतीय राजनीति में उदय हुआ तो लोगों ने उनसे बहुत ज्यादा उम्मीदें लगा ली थीं। वे जिस तरह कागजात लहराते हुए अन्य पार्टियों के नेताओं की ईमानदारी पर सवाल उठाते थे, उससे उनकी छवि एक ऐसे व्यक्ति की बनी, जो देश की दशा और दिशा, दोनों बदलने में सक्षम था। जिन लोगों ने उनके साथ खड़े होकर आंदोलन किया, नारे लगाए, उन्हें भी लगा था कि अब भ्रष्टाचार का अंत निकट है।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की सत्ता में आकर जो फैसले लिए, उनसे लोगों को कहीं-न-कहीं यह महसूस हुआ कि मुख्यमंत्री महोदय उन वचनों एवं आदर्शों से दूर होते जा रहे हैं, जिनका पहले जिक्र करते नहीं थकते थे। उन्होंने जिस कांग्रेस को सत्ता से हटाने के लिए इतना हंगामा खड़ा किया था, बाद में उसी के साथ गठबंधन कर लिया। वे इंडि गठबंधन के नेताओं के साथ मुस्कुराते हुए फोटो खिंचवाने लगे थे। उन्होंने और 'आप' विधायकों ने सरकारी सुविधाएं भी लीं, जिससे सादगी के दावे धरे रह गए। केजरीवाल की छवि को एक और बड़ा नुकसान मुख्यमंत्री आवास पर होने वाले खर्चों से हुआ, जिसे भाजपा ने 'शीशमहल' करार दिया था। अगर केजरीवाल सत्ता में आने के पहले ही दिन इस बात का संकल्प ले लेते कि हर सूरत में सादगी का सख्ती से पालन करेंगे, तो भाजपा को उन पर हमला करने का ऐसा मौका ही न मिलता। बेहतर होता कि वे मुख्यमंत्री आवास का एक हिस्सा जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए सौंप देते और खुद की जरूरतें बहुत सीमित रखते। हमारे स्वतंत्रता संग्राम के कई नेताओं ने तमाम संसाधन होने के बावजूद सीमित चीजों में गुजारा किया था। उनके जीवन में सादगी और पारदर्शिता थी। उस दौरान कई मुद्दों को लेकर मतभेदों के बावजूद जनता को उन पर भरोसा था कि हमारे नेता सादगी और ईमानदारी के मामले में किसी से समझौता नहीं करेंगे। 'शीशमहल' विवाद ने जनता के बीच इस धारणा को मजबूत किया कि अब केजरीवाल महान आदर्शों की बातों से कोसों आगे निकल चुके हैं, 'आप' भी अन्य पार्टियों के ढर्रे पर चल पड़ी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में 'आप' की हार सभी पार्टियों के लिए एक सबक है। सुधार की बड़ी-बड़ी बातें करना, आदर्शों का प्रचार करना, जनता को सुनहरे सपने दिखाना एक सीमा तक ठीक है, लेकिन खुद अपने शब्दों पर कायम नहीं रहेंगे और समय आने पर उनसे विपरीत आचरण करेंगे तो जनता आपको अर्श से फर्श पर लाने में देर नहीं लगाएगी। चाहे आप कितने ही बड़े नेता हों। याद रखें, जनता बड़े-बड़े सम्राटों का 'भ्रम' दूर कर चुकी है। लोकतंत्र में नेता से जनता का विश्वास जाता रहे तो पीछे क्या बचता है?

## ट्वीटर टॉक

बूंदी के करवर में आज पूर्व विधायक प्रभुलाल करसोलिया जी की मूर्ति का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनका पूरा जीवन समाज सेवा और जनकल्याण को समर्पित रहा, और उनके विचार, संकल्प व सेवा भावना हमें निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।

**-ओम बिरला**

ओडिशा की माननीया उप मुख्यमंत्री श्रीमती प्रवाती परीदा जी के साथ एक समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव, पर्यटन विभाग सचिव व अन्य आला अधिकारियों से पर्यटन विकास की योजनाओं व संभावनाओं पर विमर्श हुआ।

**-गजेन्द्र सिंह शेखावत**

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर पर्यटकों की सुविधाओं और राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहरों को और सशक्त बनाने पर चर्चा की। बैठक के दौरान बताया कि पर्यटकों की सुविधा और त्वरित जानकारी के लिए स्मार्ट मोबाइल ऐप तैयार किया जा रहा है।

**-दीया कुमारी**

## प्रेरक प्रसंग

# त्याग से अटूट संबंध

एक बार वन में चलते हुए माता सीता को प्यास लगी। भगवान राम इधर-उधर पानी की तलाश में थे कि तभी एक मोर से उनकी मुलाकात हुई। मोर ने भगवान राम को बताया कि यहां से कुछ दूरी पर एक जलाशय है और उसने भगवान राम से कहा कि वह मार्ग में उनका पथ-प्रदर्शक बनेगा। मयूर ने प्रभु राम से कहा, 'किंतु मार्ग में हमारी भूल-चूक होने की संभावना है।' प्रभु राम ने पूछा, 'ऐसा क्यों?' मयूर ने उत्तर दिया, 'क्योंकि मैं उड़ता हुआ जाऊंगा और आप पैदल चलेंगे। अतः मैं मार्ग में अपना एक-एक पंख बिखेरता जाऊंगा, ताकि आप जलाशय तक पहुंच सकें।' जलाशय तक पहुंचते-पहुंचते मयूर ने एक-एक करके अपने सारे पंख गिरा दिए और वह मरणासन्न स्थिति में पहुँच गया। लेकिन उसे यह सुकून था कि उसने प्रभु राम, जो जगत की प्यास बुझाने वाले हैं, उनकी प्यास बुझाने में योगदान दिया। तभी प्रभु श्री राम ने मयूर से कहा, 'मेरे लिए तुमने जो पंख बिखेरे हैं और मेरी सहायता की है, उससे जो उपकार हुआ है और ऋणानुबंध चढ़ाया है, वह मैं अगले जन्म में जरूर चुकाऊंगा।' इसी कारण द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण ने अपने माथे पर मयूर पंख धारण कर मयूर का ऋण चुकाया और अपने वचन का पालन किया।

## सामयिक

# आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण त्यौहार है महाशिवरात्रि

**महाशिवरात्रि का पर्व हमारे जीवन में ईश्वरीय शक्ति के महत्व को दिखलाता है। हमें भगवान शिव के द्वारा मानव जाति तथा सृष्टि के कल्याण के लिए विषपान जैसे असीम त्याग को प्रदर्शित करता है। यह दिन हमें इस बात की याद दिलाता है कि यदि हम अच्छे कर्म करेंगे और ईश्वर के प्रति श्रद्धा रखेंगे तो ईश्वर भी हमारी रक्षा अवश्य करेंगे। लोगों का मानना है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव हमारे निकट होते हैं और इस दिन पूजा अर्चना तथा रात्रि जागरण करने वालों को उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।**

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

हिंदू धर्म में सबसे बड़ा पर्व महाशिवरात्रि है। इस दिन सभी शिव मंदिरों में भीड़-भाड़ का माहौल रहता है। महाशिवरात्रि के दिन सभी भक्त महादेव की कृपा पाने के लिए विधिवत पूजा-पाठ करते हैं। पंचांग के अनुसार शिवरात्रि फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है। महाशिवरात्रि भगवान शिव का त्यौहार है। भारत के सभी प्रदेशो में महाशिव रात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भारत के साथ नेपाल, मारिशस सहित दुनिया के कई अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाते है। हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिव रात्रि का व्रत किया जाता है। हिन्दू पुराणों के अनुसार इसी दिन सृष्टि के आरंभ में मध्यरात्रि मे भगवान शिव ब्रह्मा से रुद्र के रूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिन को महाशिवरात्रि कहा जाता है।

यौगिक परम्परा में इस दिन और रात को इतना महत्व इसलिए दिया जाता है क्योंकि यह आध्यात्मिक साधक के लिए जबर्दस्त संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं। आधुनिक विज्ञान कई चरणों से गुजरने के बाद आज उस बिंदु पर पहुंच गया है। जहां वह प्रमाणित करता है कि हर वह चीज जिसे आप जीवन के रूप में जानते हैं। पदार्थ और अस्तित्व के रूप में जानते हैं। जिसे आप ब्रह्मांड और आकाशगंगाओं के रूप में जानते हैं। वह सिर्फ एक ही ऊर्जा है। जो लाखों रूपों में खुद को अभिव्यक्त करती है। माना जाता है की इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा करते है। महाशिवरात्रि का व्रत रखना सबसे आसान माना जाता है। इसलिये बच्चों से लेकर बूढ़ो तक सभी इस दिन व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के व्रत रखने वालों के लिये अन्न खाना मना होता है। इसलिये उस दिन फलाहार किया जाता है। राजस्थान में व्रत के समय गाजर, बेर का सीजन होने से गांवों में लोगों द्धारा गाजर, बेर का फलाहार किया जाता है। लोग मन्दिरों में भगवान शिव की पूजा करते हैं व उन्हे आक, धतूरा चढ़ाते हैं। भगवान शिव को विशेष रूप से भांग का प्रसाद लगता है। इस कारण इस दिन काफी जगह शिवभक्त भांग घोट कर पीते हैं।

पुराणों में कहा जाता है कि एक समय शिव पार्वती जी कैलाश पर्वत पर बैठे थी। उसी समय पार्वती ने प्रश्न किया कि इस तरह का कोई व्रत है जिसके करने से मनुष्य आपके धाम को प्राप्त कर सके ? तब उन्होंने यह कथा सुनाई थी कि प्रत्यना नामक देश में एक व्यक्ति रहता था, जो जीवों को बेचकर अपना भरण पोषण करता था। उसने सेठ से धन उधार ले रखा था। समय पर कर्ज न चुकाने के कारण सेठ ने उसको शिवमठ में बन्द कर दिया। संयोग से उस दिन फाल्गुन बदी चतुर्दशी थी। वहां रातभर कथा, पूजा होती रही जिसे उसने भी सुना। अगले दिन शिघ्र कर्ज चुकाने की शर्त पर उसे छोड़ा गया। उसने सोचा रात को नदी के किनारे बैठना चाहिये। वहां जरूर कोई न कोई जानवर पानी पीने आयेगा। अतः उसने पास के बील वृक्ष पर बैठने का स्थान बना लिया। उस बील के नीचे एक शिवलिंग था। जब वह पेड़ पर अपने छिपने का स्थान बना रहा था उस समय बील के पत्तों को तोडकर फेंकता जाता था जो शिवलिंग पर ही गिरते थे। वह दो दिन का भूखा था। इस तरह से वह अनजाने में ही शिवरात्रि का व्रत कर ही चुका था। साथ ही शिवलिंग पर बेल-पत्र भी अपने आप चढ़ते गये।

एक पहर रात्रि बीतने पर एक गर्भवती हिरणी पानी पीने आई। उस व्याध ने तीर को धनुष पर चढ़ाया किन्तु हिरणी की कातर वाणी सुनकर उसे इस शर्त पर जाने दिया कि सुबह होने पर वह स्वयं आयेगी। दूसरे पहर में दूसरी हिरणी आई। उसे भी छोड़ दिया। तीसरे पहर भी एक हिरणी आई उसे भी उसने छोड़ दिया और सभी ने यही कहा कि सुबह होने पर मैं आपके पास आऊंगी। चौथे पहर एक हिरण आया। उसने अपनी सारी कथा कह सुनाई कि वे तीनों हिरणियां मेरी स्त्री थी। वे सभी मुझसे मिलने को छटपटा रही थी। इस पर उसको भी छोड़ दिया तथा कुछ और भी बेल-पत्र नीचे गिराये। इससे उसका हृदय बिल्कुल पवित्र, निर्मल तथा कोमल हो गया। प्रातः होने पर वह बेल-पत्र से नीचे उतरा। नीचे उतरने से और भी बेल पत्र शिवलिंग पर चढ़ गये। अतः शिवजी ने प्रसन्न होकर उसके हृदय को इतना कोमल बना दिया कि अपने पुराने पापों को याद करके वह पछताने लगा और जानवरों का वध करने से उसे घृणा हो गई। सुबह वे सभी हिरणियां और हिरण आये। उनके सत्य वचन पालन करने को देखकर उसका हृदय दुग्ध सा धवल हो गया और वह फूट-फूट कर रोने लगा।

शिवरात्रि के प्रसंग को हमारे वेद, पुराणों में बताया गया है कि जब समुद्र मन्थन हो रहा था उस समय समुद्र में चौदह रत्न प्राप्त हुए।

उन रत्नों में हलाहल भी था। जिसकी गर्मी से सभी देव दानव त्रस्त होने लगे। तब भगवान शिव ने उसका पान किया। उन्होंने लोक कल्याण की भावना से अपने को उत्सर्ग कर दिया। इसलिए उनको महादेव कहा जाता है। जब हलाहल को उन्होंने अपने कंठ के पास रख लिया तो उसकी गर्मी से कंठ नीला हो गया। तभी से भगवान शिव को नीलकंठ भी कहते हैं। शिव का अर्थ कल्याण होता है। जब संसार में पापियों की संख्या बढ़ जाती है तो शिव उनका संहार कर लोगों की रक्षा करते हैं। इसीलिए उन्हें शिव कहा जाता है।

योगियों और संन्यासियों के लिए यह वह दिन है जब शिव कैलाश पर्वत के साथ एकाकार हो गए थे। योगिक परम्परा में शिव को ईश्वर के रूप में नहीं पूजा जाता है। बल्कि उन्हें प्रथम गुरु, आदि गुरु माना जाता है। जो योग विज्ञान के जन्मदाता थे। कई सदियों तक ध्यान करने के बाद शिव एक दिन वह पूरी तरह स्थिर हो गए। उनके भीतर की सारी हलचल रुक गई और वह पूरी तरह स्थिर हो गए। वह दिन महाशिवरात्रि था। इसलिए संन्यासी महाशिवरात्रि को स्थिरता की रात के रूप में देखते हैं।

महाशिवरात्रि का पर्व हमारे जीवन में ईश्वरीय शक्ति के महत्व को दिखलाता है। हमें भगवान शिव के द्वारा मानव जाति तथा सृष्टि के कल्याण के लिए विषपान जैसे असीम त्याग को प्रदर्शित करता है। यह दिन हमें इस बात की याद दिलाता है कि यदि हम अच्छे कर्म करेंगे और ईश्वर के प्रति श्रद्धा रखेंगे तो ईश्वर भी हमारी रक्षा अवश्य करेंगे। लोगों का मानना है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव हमारे निकट होते हैं और इस दिन पूजा अर्चना तथा रात्रि जागरण करने वालों को उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। कई लोग इस दिन दान धर्म करते है तथा गरीबों को खाना खिलाकर भगवान शिवजी से अपनी सुखी जीवन के लिए प्रार्थना करते है। महाशिवरात्रि आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण है। इस रात धरती के उत्तरी गोलार्ध की स्थिति ऐसी होती है कि इंसान के शरीर में ऊर्जा कुदरती रूप से ऊपर की ओर बढ़ती है। इस दिन प्रकृति इंसान को अपने आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। गृहस्थ जीवन में रहने वाले लोग महाशिवरात्रि को शिव की विवाह वर्षगांठ के रूप में मनाते हैं। सांसारिक महत्वाकांक्षाएं रखने वाले लोग इस दिन को शिव की दुश्मनों पर विजय के रूप में देखते हैं।

## नजरिया

# शिवरात्रि है शिव से साक्षात्कार का महापर्व

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आदि देव महादेव शिव सभी देवताओं में सर्वोच्च हैं, महानतम हैं, दुःखों को हरने एवं पापों का नाश करने वाले हैं। वे कल्याणकारी हैं तो संहारकर्ता भी हैं। वे आशुतोष है तो भोले शंकर भी है, एक ओर जन-जन के आदर्श है तो दूसरी ओर साधकों के साधक। भगवान शिव भोले भण्डारी है और जग का कल्याण करने वाले हैं। भगवान शिव आदिदेव है, देवों के देव है, महादेव हैं। सत्यं शिवं सुन्दरम के प्रतीक शिव और उनकी रात्रि, जन-जन के जागरण की महाशिवरात्रि प्रतिवर्ष फाल्गुण मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनायी जाती है, जो शिवत्व का जन्म दिवस है। यह शिव से पार्वती के मिलन की रात्रि का सुअवसर है। इसी दिन निशीथ अर्धरात्रि में शिवलिंग का प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिये यह पुनीत पर्व सम्पूर्ण देश एवं दुनिया में उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाता है। यह पर्व सांस्कृतिक एवं धार्मिक चेतना की ज्योति किरण है, जो शिव से एकाएक होने की चरम साधना का उत्कर्ष है। इससे जीवन एवं जगत में प्रसन्नता, गति, संगति, सौहार्द, ऊर्जा, आत्मशुद्धि एवं नवप्रेरणा का प्रकाश परिव्याप्त होता है। यह पर्व जीवन के श्रेष्ठ एवं मंगलकारी व्रतों, संकल्पों तथा विचारों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

शिवरात्रि जागृति का पर्व है। जिसमें आत्मा का शिव से मिलना होता है। यह आत्म स्वरूप को जानने की रात्रि है। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का दुर्लभ आध्यात्मिक अनुभव है। यह स्वयं के भीतर जाकर अथवा अंतश्चेतना की गहराइयों में उतरकर आत्म साक्षात्कार करने का प्रयोग है। यह आत्मयुद्ध की प्रेरणा है, क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही जीवन की सच्ची जीत है, शिवत्व की प्राप्ति है। काल के इस क्षण की सार्थकता शिवमय हो जाने में है। शक्ति माया नहीं है, मिथ्या नहीं है, प्रपंच नहीं है। इसके विपरीत शक्ति सत्य है। जीव और जगत भी सत्य है। सभी तत्वतः सत्य हैं। सभी शिवमय हैं। शिवरात्रि भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है, संयम की, त्याग की, भक्ति की, संतुलन की। सुविधाओं के बीच रहने वालों के लिये सोचने का अवसर है कि वे आवश्यक जरूरतों के साथ जीते हैं या जरूरतों से ज्यादा आवश्यकताओं की मांग करते हैं। इस शिवभक्ति एवं उपवास की यात्रा में हर व्यक्ति में अहंकार नहीं, बल्कि शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है। यह तपस्या स्वयं के बदलाव की एक प्रक्रिया है। यह प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा है। इसमें भौतिक परिणाम पाने की महत्वाकांक्षा नहीं, सभी चाहों का संन्यास है।

प्रयागराज में महाकुंभ का समापन महाशिवरात्रि के पवित्र एवं चमत्कारी स्नान के साथ होगा। ग्रहों और नक्षत्रों के विशेष संयोग के चलते इस बार की शिवरात्रि बेहद पुण्यदायक बताई जा रही है। प्रयागराज महाकुंभ में तो इसका महत्व और भी कई गुना बढ़ गया है। महाकुंभ में महाशिवरात्रि पर बेहतर विशेष संयोग बन रहे है। इस बार सूर्य का चुंबकीय प्रभाव बहुत ही दिव्य है। ऐसा दैवीय संयोग सैकड़ो सालों के बाद बन रहा है। इस बार की महाशिवरात्रि पर चतुर्ग्रहीय योग बन रहा है। इसमें शिवयोग भी शामिल है। महाशिवरात्रि पर शिवयोग बेहद फलदायक और कल्याणकारी होता। महाकुंभ विश्व के सबसे बड़े, प्राचीन और धार्मिक उत्सवों में एक है। शिव शक्ति के प्रतीक ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ काल में हुआ था। शिव पुराण के अनुसार सृष्टि के आरंभ में ब्रह्मा ने इसी दिन रुद्र रूपी शिव को उत्पन्न किया था। शिव एवं हिमालय पुत्री पार्वती का विवाह भी इसी दिन हुआ था। अतः यह शिव एवं शक्ति के पूर्ण समरस होने की रात्रि भी है। वे सृष्टि के सर्जक हैं। वे मनुष्य जीवन के ही नहीं, सृष्टि के निर्माता, पालनहार एवं पोषक हैं। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई।

सृष्टि के कल्याण हेतु जीर्ण-शीर्ण वस्तुओं का विनाश आवश्यक है। इस विनाश में ही निर्माण के बीज छुपे हुए हैं। इसलिये शिव संहारकर्ता के रूप में निर्माण एवं नव-जीवन के प्रेरक भी है। सृष्टि पर जब कभी कोई संकट पड़ा तो उसके समाधान के लिये वे सबसे आगे रहे। जब भी कोई संकट देवताओं एवं असुरों पर पड़ा तो उन्होंने शिव को ही याद किया और शिव ने उनकी रक्षा की। समुद्र-मंथन में देवता और राक्षस दोनों ही लगे हुए थे। सभी अमृत चाहते थे, अमृत मिला भी लेकिन उससे पहले हलाहल विष निकला जिसकी गर्मी, ताप एवं संकट ने सभी को व्याकुल कर दिया एवं संकट में डाल दिया, विष ऐसा की पूरी सृष्टि का नाश कर दें, प्रश्न था कौन ग्रहण करें इस विष को। भोलेनाथ को याद किया गया गया। वे उपस्थित हुए और इस विष को ग्रहण कर सृष्टि के सम्मुख उपस्थित संकट से रक्षा की। उन्होंने इस विष को कंठ तक ही रखा और वे नीलकंठ कहलाये। इसी प्रकार गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिये भोले बाबा ने ही सहयोग किया। क्योंकि गंगा के प्रचंड दबाव और प्रवाह को पृथ्वी कैसे सहन करें, इस समस्या के समाधान के लिये शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को समाहित किया और फिर अनुकूल गति के साथ गंगा का प्रवाह उनकी जटाओं से हुआ। ऐसे अनेक सृष्टि से जुड़े संकट और उसके विकास से जुड़ी घटनाएं हैं जिनके लिये शिव ने अपनी शक्तियों, तप और साधना का प्रयोग करके दुनिया को नव-जीवन प्रदान किया। शिव का अर्थ ही कल्याण है, वही शंकर है, और वही रुद्र भी है। शंकर में शं का अर्थ कल्याण है और कर का अर्थ करने वाला। रुद्र में रु का अर्थ दुःख और द्र का अर्थ हरना- हटाना। इस प्रकार रुद्र का अर्थ हुआ, दुःख को दूर करने वाले अथवा कल्याण करने वाले।

भोलेनाथ भाव के भूखे हैं, कोई भी उन्हें सच्ची श्रद्धा, आस्था और प्रेम के पुष्प अर्पित कर अपनी मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना कर सकता है। दिखावे, ढोंग एवं आडम्बर से मुक्त विद्वान-अनपढ़, धनी-निर्धन कोई भी अपनी सुविधा तथा सामर्थ्य से उनकी पूजा और अर्चना कर सकता है। शिव न काठ में रहता है, न पत्थर में, न मिट्टी की मूर्ति में, न मन्दिर की भव्यता में, वे तो भावों में निवास करते हैं। यह पर्व महाकाल शिव की आराधना का महापर्व है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पूजा एवं अभिषेक करने पर उपासक को समस्त तीर्थों के स्नान का फल प्राप्त होता है। शिवरात्रि का व्रत करने वाले इस लोक के समस्त भोगों को भोगकर अंत में शिवलोक में जाते हैं। शिव को बिल्वपत्र, धतूरे के पुष्प तथा प्रसाद में भांग अति प्रिय हैं। लौकिक दृष्टि से दूध, दही, घी, शकर, शहद- इन पाँच अमृतों (पंचामृत) का पूजन में उपयोग करने का विधान है। महामृत्युंजय मंत्र शिव आराधना का महामंत्र है। शिवरात्रि वह समय है जो पारलौकिक, मानसिक एवं भौतिक तीनों प्रकार की व्यथाओं, संतापों, पाशों से मुक्त कर देता है। शिव की रात शरीर, मन और आत्मा को ऐसी शान्ति प्रदान करती है जिससे शिव तत्व की प्राप्ति सम्भव हो पाती है। लौकिक जगत में लिंग का सामान्य अर्थ चिह्न होता है जिससे पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसक लिंग की पहचान होती है। शिव लिंग लौकिक के परे है। इस कारण एक लिंगी है। आत्मा है। शिव संहारक हैं। वे पापों के संहारक हैं। शिव की गोद में पहुंचकर हर व्यक्ति भय-ताप से मुक्त हो जाता है। शिव ने संसार और संन्यास दोनों को जीया है। उन्होंने जीवन को नई और परिपूर्ण शैली दी। पृथ्वी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति की जीवन में आवश्यकता और उपयोगिता का प्रशिक्षण दिया। कला, साहित्य, शिल्प, मनोविज्ञान, विज्ञान, पराविज्ञान और शिक्षा के साथ साधना के मानक निश्चित किए। सबको काम, अर्थ, धर्म, मोक्ष की पुरुषार्थ चतुष्टयी की सार्थकता सिखलाई। वे भारतीय जीवन-दर्शन के पुरोधा हैं। लेकिन हम इतने भोले हैं कि अपने शंकर को नहीं समझ पाए, उनको समझना, जानना एवं आत्मसात करना हमारे लिये स्वाभिमान और आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला अनुभव सिद्ध हो सकता है। मानवीय जीवन के सभी आयाम शिव से ही पूर्णत्व को पाते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## मुलाकात

अभिनेत्री रवीना टंडन, अपनी बेटी राशा थडानी और परिवार के साथ चल रहे महाकुंभ मेला में परमार्थ निकेतन शिविर में पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती से मिलती हुई।

# रावलपिंडी में बारिश के कारण ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच रद्द

**रावलपिंडी/भाषा**

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का मैच मंगलवार को लगातार बारिश के कारण रद्द कर दिया गया जिससे ग्रुप बी की इन दो टीमों को एक-एक अंक बांटना पड़ा। खराब मौसम के कारण टॉस भी नहीं हो सका। हालात और खराब होते देख मैच अधिकारियों ने निर्धारित समय से तीन घंटे से कुछ अधिक समय बाद खेल रद्द कर दिया। दोनों टीमों ने ग्रुप बी में अपना पहला मैच जीता था।

खेल का कट-ऑफ समय शाम सात बजकर 32 मिनट पर था लेकिन मौसम में कोई सुधार नहीं होने के कारण अधिकारियों ने बहुत पहले ही फैसला कर लिया। मैच रद्द होने के कारण दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया को एक-एक अंक मिले जिसका मतलब है कि बुधवार को इंग्लैंड और अफगानिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला लगभग नाकआउट हो गया है जिसमें हारने वाली टीम आईसीसी टूर्नामेंट से बाहर होने वाली तीसरी टीम बन जाएगी।

टूर्नामेंट के मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश लगातार दो हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों ने क्रमशः इंग्लैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच जीता था। दिलचस्प बात यह है कि चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के पिछले आठ मैच में यह उसका चौथा मुकाबला रद्द किया गया है। अब वह 28 फरवरी को लाहौर में अफगानिस्तान से खेलेगा जबकि अगले दिन दक्षिण अफ्रीका का सामना कराची में इंग्लैंड से होगा। ग्रुप ए में सेमीफाइनल पहले ही तय हो चुके हैं जिसमें भारत और न्यूजीलैंड दो-दो मैच जीतकर आगे बढ़ चुके हैं।

रावलपिंडी और लाहौर में भी बारिश की भविष्यवाणी की गई है और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) उम्मीद कर रहा है कि आने वाले दिनों में बारिश मैच में खलल नहीं डाले। पाकिस्तान 29 साल में पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। मेजबान देश पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है, ऐसे में पीसीबी के सामने स्थानीय प्रशंसकों की दिलचस्पी टूर्नामेंट में बनाए रखने की चुनौती है।

# ईडी ने अगस्ता वेस्टलैंड के 'बिचौलिए' क्रिश्चियन मिशेल की जमानत याचिका का विरोध किया

**नई दिल्ली/भाषा**

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में 3,600 करोड़ रुपये के 'अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले' से जुड़े धन शोधन मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की जमानत याचिका का विरोध किया। कथित घोटाला अगस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की खरीद से संबंधित है। एजेंसी के वकील ने कहा कि हालांकि उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे अपराध में जेम्स को जमानत दे दी है, लेकिन धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामले में राहत देने के लिए दोहरे परीक्षण की संतुष्टि की आवश्यकता है। वकील ने न्यायमूर्ति स्वर्णकांत शर्मा के समक्ष इस बात पर जोर दिया कि ब्रिटिश नागरिक के देश छोड़कर भाग जाने का खतरा है और उसे प्रत्यर्पित किया जाना चाहिए, क्योंकि वह जांच में शामिल नहीं हुआ। आरोपी की ओर से उपस्थित वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल का पासपोर्ट की वैधता पहले ही समाप्त हो चुकी है, और धन शोधन विरोधी कानून के तहत अधिकतम सजा सात वर्ष है, जबकि जेम्स पहले ही छह वर्ष जेल में बिता चुका है।

अदालत को यह भी बताया गया कि सीबीआई मामले में जेम्स को जमानत देने के शीर्ष अदालत के आदेश के अनुसरण में, अधीनस्थ अदालत ने अभी तक उसकी रिहाई के लिए शर्तें तय नहीं की हैं। अदालत ने कहा, उन्हें इसे लिखने दीजिए। इसे शुक्रवार को सूचीबद्ध कीजिए। अदालत ने प्रवर्तन विभाग (ईडी) के वकील से अगली तारीख पर अपना पक्ष रखने को कहा। उसने कहा, उच्चतम न्यायालय ने पहले ही इस अपराध में जमानत दे दी है। इसमें सीमित दलीलें होंगी। जेम्स को दिसंबर 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था और बाद में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। वह मामले में जांच के दायरे में आने वाले तीन कथित बिचौलियों में से एक है। अन्य दो गुइडो हैश्के और कार्लो गेरोसा हैं। सीबीआई ने अपने आरोपपत्र में आरोप लगाया है कि आठ फरवरी, 2010 को हस्ताक्षरित वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति के लिए 55.62 करोड़ यूरो मूल्य के हेलीकॉप्टर सौदे के कारण सरकारी खजाने को 39.82 करोड़ यूरो (लगभग 2,666 करोड़ रुपये) का अनुमानित नुकसान हुआ है।

# उच्चतम न्यायालय 28 को इमरान खान की याचिकाओं पर सुनवाई करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की याचिकाओं पर शुक्रवार को सुनवाई करने का निर्णय लिया है। मीडिया की खबरों में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। इमरान खान ने नौ मई की हिंसा और पिछले साल हुए आम चुनावों में कथित धांधली की न्यायिक जांच की मांग के लिए याचिका दायर की थी। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार' की खबर के अनुसार, न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ इमरान खान की याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इमरान खान ने नौ मई की हिंसा की जांच के लिए दिसंबर 2024 में याचिका दायर की थी।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से नौ मई 2023 को अर्धसैनिक रेंजर्स द्वारा इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पाकिस्तान में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़क उठे थे। इमरान के समर्थकों ने जिन्ना हाउस (लाहौर कॉर्प्स कमांडर का घर) और फैसलाबाद स्थित आईएसआई कार्यालय सहित कई सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की थी। इमरान का आरोप है कि नौ मई की घटनाओं को उनके राजनीतिक विरोधियों ने सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया था। इमरान खान का कहना है कि उन्हें हिंसा से जुड़े मामलों में राजनीतिक प्रतिशोध के कारण फंसाया गया है।

जियो न्यूज की खबर के अनुसार, इमरान खान ने मार्च 2024 में उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनावों की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की थी। पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का दावा है कि पार्टी ने आठ फरवरी 2024 को हुए आम चुनावों में जीत दर्ज की थी, लेकिन बड़े पैमाने पर हुई धांधली के जरिए उसका जनादेश चुरा लिया गया। हालांकि, सरकार और चुनाव अधिकारियों ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। उन पर कई मामले दर्ज हैं और कुछ में उन्हें सजा भी सुनाई जा चुकी है। वर्तमान में वह रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं।

## कुंभ स्नान

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू, मंगलवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला के दौरान त्रिवेणी संगम पर परिवार के सदस्यों के साथ।

# स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका में नजर आयेंगी निकिता दत्ता

मुंबई/एजेन्सी। अभिनेत्री निकिता दत्ता, राम माधवानी निर्देशित आगामी शो 'द वॉकिंग ऑफ द नेशन' में स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका में नजर आयेंगी निकिता ने द वॉकिंग ऑफ द नेशन में के जरिये शक्तिशाली भूमिका में एक साहसिक छलांग लगाई है। निकिता ने खुद को एक निडर स्वतंत्रता सेनानी में बदल दिया।डी-ग्लैम लुक को अपनाते हुए, निकिता शो में पारंपरिक पोशाक में दिखाई देती हैं जो उस युग के सार को दर्शाती है। निकिता का चित्रण भारत की सबसे काली ऐतिहासिक घटनाओं में से एक-जलियांवाला बाग नरसंहार के दौरान उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने वाली एक महिला के अटूट दृढ़ संकल्प और भावनात्मक शक्ति को दर्शाता है। निकिता इस शो में पूरी तरह से नए अवतार में दिखाई देंगी और अपने अभिनय कौशल की एक और श्रृंखला का प्रदर्शन करने का वादा करती हैं।

# फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया' में दिखेगा रानी चटर्जी का जलवा

**मुंबई/एजेन्सी**

भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री रानी चटर्जी फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया' में नजर आयेंगी। फिल्म चुगलखोर बहुरिया अंशुमन सिंह फिल्म क्रिएशन और मैड्ज़ मूवी के बैनर तले बनाई जा रही है, जिसके निर्माता विनय सिंह, अंशुमन सिंह और मधु शर्मा हैं। इस फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से जारी है और इसे भोजपुरी सिनेमा के लिए एक बड़ा प्रोजेक्ट माना जा रहा है। यह फिल्म जल्द ही भोजपुरी के नंबर 1 चैनल भोजपुरी सिनेमा पर प्रसारित होगी। फिल्म चुगलखोर बहुरिया में रानी चटर्जी के साथ अवधेश मिश्रा, प्रीति शुक्ला, देव सिंह, रितेश उपाध्याय, ज्योति मिश्रा, अनिता रावत और जे नीलम जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन इश्तियाक शेख बंटी ने किया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी हरीश सावंत ने की है।फिल्म के कार्यकारी निर्माता जय मिश्रा हैं।

# नीविया इंडिया ने सामंथा रूथ प्रभु को बनाया अपना नया ब्रांड एंबेसडर

**मुंबई/एजेन्सी**

स्किनकेयर घरेलू ब्रांड नीविया इंडिया ने अपने नये ल्यूमिनस इवन ग्लो कलेक्शन के पेशकश के साथ दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु को ब्रांड एंबेसडर बनाया है। नीविया ने आधुनिक त्वचा की जरूरतों के हिसाब से सोच-समझकर तैयार की गई इस स्किनकेयर रेंज को एक आकर्षक टीवी विज्ञापन के ज़रिए पेश किया है,जिसमें सामंथा रूथ प्रभु नज़र आ रही हैं। इस विज्ञापन में सामंथा की आत्मविश्वास भरी स्किनकेयर यात्रा को प्रामाणिकता के साथ दिखाया गया है।जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, वह सहजता से अपनी त्वचा की देखभाल करती दिखती है,और उसकी बेदाग,

चमकदार चमक का एक शानदार दृश्य सामने आता है - जो इस बात को पुख्ता करता है कि नीविया, त्वचा देखभाल की श्रेणी में सबसे आगे है।

इस अवसर पर अपना उत्साह साझा करते हुए सामंथा रूथ प्रभु ने कहा, मेरे और मेरे परिवार के लिए, नीविया, वर्षों से एक विश्वसनीय नाम रहा है, जिसके कारण यह साझेदारी अविश्वसनीय रूप से विशेष बन जाती है। मेरे लिए स्किनकेयर, त्वचा देखभाल के लिए निरंतर ऐसे उत्पादों को चुनना है जो त्वचा के लिए प्रभावी और कोमल हों। ल्यूमिनस इवन ग्लो रेंज इसलिए विशेष है क्योंकि यह न केवल काले धब्बे कम करती है; बल्कि विज्ञान-आधारित नवाचार के साथ त्वचा की प्राकृतिक चमक को भी बढ़ाती है। नीविया की त्वचा देखभाल का गहरा दर्शन, जो सुंदरता के प्रति मेरे अपने दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाता है, इस साझेदारी को और भी खास बना देता है। इस परिवर्तनकारी रेंज के उपयोग की मदद से मैं सभी लोगो द्वारा आत्मविश्वास के साथ अपनी चमक हासिल करने के लिए उत्साहित हूं।

# 37 साल बाद अलग होने जा रहे हैं गोविन्दा और सुनीता आहूजा

**मुंबई/एजेन्सी**

गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की जोड़ी हमेशा सुर्खियों में रहती है। दोनों अक्सर पार्टी-समारोह में साथ नजर आते हैं। इसके अलावा कपल कई टीवी कार्यक्रमों में दिखता है। दोनों एक-दूसरे के साथ खूब हंसी-मजाक करते हैं और फैंस को उनकी कैमेस्ट्री बहुत अच्छी लगती है। हालांकि अब जो खबर आ रही है उससे कपल को चाहने वालों को ठेस लग सकती है। दरअसल सोशल मीडिया पर ये खबर फैल रही है कि शादी के 37 साल बाद 61 वर्षीय गोविंदा पत्नी से तलाक लेने जा रहे हैं।

हालांकि इस मामले में अभी तक न तो गोविंदा की तरफ से कोई बयान आया है और न ही सुनीता ने कुछ कहा है। पिछले कुछ समय से ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि गोविंदा की शादीशुदा जिंदगी में कुछ गड़बड़ चल रही है। सुनीता लगातार इंटरव्यू दे रही हैं। सुनीता ने खुलासा किया था कि अब वे एक साथ एक घर में नहीं रहते हैं। मजाक-मजाक में सुनीता ने गोविंदा के अफेयर का भी खुलासा किया। पता चला है कि रिश्ते में दरार आने का कारण 30 वर्षीय मराठी एक्ट्रेस हैं, जिसके साथ गोविंदा का अफेयर चल रहा है।

कुछ महीने पहले गोविंदा के पैर पर गोली लगी थी, तब ये बात सामने आई थी कि पति-पत्नी अलग रहते हैं। एक रेडिट यूजर ने लिखा, गोविंदा का तलाक होने वाला है। वैसे भी सुनीता ने अपने हाल के इंटरव्यूज में ये संकेत दे दिए हैं कि गोविंदा का अफेयर चल रहा है।

वह फ्लैट में रहती हैं और गोविंदा बंगले में। उनके रूटीन और शेड्यूल भी बिल्कुल अलग हैं। उस इंसान के साथ रहना कितना मुश्किल होता है, जिसके इतने अफेयर्स को माफ किया हो। जिसकी मां और परिवार की केयर करने में अपनी जिंदगी लगा दी और उम्र के इस पड़ाव पर आकर वो छोड़ दे।

गौरतलब है कि गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी। उनके दो बच्चे हैं टीना और यशवर्धन। सुनीता बच्चों के साथ, जबकि गोविंदा अलग रहते हैं। बता दें 80 के दशक में गोविंदा और एक्ट्रेस नीलम कोठारी का अफेयर सुर्खियों में रहा था। दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए थे।

हालांकि एक इंटरव्यू में नीलम ने कहा था कि अफेयर की खबरें महज अफवाह थीं। इस बीच गोविंदा का वो इंटरव्यू सुर्खियों में आ गया था, जिसमें उन्होंने नीलम से रिश्ते की बात कबूली थी।

# 'दिल दोस्ती और डॉग्स' का ट्रेलर रिलीज

**मुंबई/एजेन्सी**

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता विरल शाह निर्देशित फिल्म फिल्म दिल दोस्ती और डॉग्स का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म दिल दोस्ती और डॉग्स ,मनुष्यों और कुत्तों के बीच के अनूठे बंधन को दर्शाती है, जो गोवा के सुंदर परिदृश्य के माध्यम से भावनाओं, रिश्तों और कल्याण पर उनके प्रभाव को उजागर करती है। विरल शाह निर्देशित, यह फिल्म ज्योति देशपांडे, मासूमे मखीजा और विरल शाह द्वारा जियो स्टूडियोज और द क्रिएटिव ट्राइब के प्रोडक्शन हाउस के तहत निर्मित है, दिल दोस्ती और डॉग्स 28 फरवरी 2025 से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है।इस फिल्म में नीना गुप्ता, मासूमे मखीजा, शरद केलकर, कुणाल रॉय कपूर, कीर्ति केलकर, टीनू आनंद, एहान भट और त्रिधा चौधरी की अहम भूमिका है।

दिल दोस्ती और डॉग्स में बेथनी लॉरेंस की भूमिका निभाने वाली नीना गुप्ता ने कहा, इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक गहरा भावनात्मक अनुभव था। वह एक ऐसी महिला है, जिसने अपने जुनून को दबा दिया है और खुद को दुनिया से दूर कर लिया है, लेकिन एक अप्रत्याशित साथी के माध्यम से, उसे पता चलता है कि जीवन में अभी भी बहुत कुछ है। यह फिर से खोज की एक खूबसूरत यात्रा है, और मैं इससे व्यक्तिगत स्तर पर जुड़ी हुयी हूं। विरल शाह के साथ काम करना एक परम आनंद था क्योंकि उनके पास एक स्पष्ट दृष्टिकोण है और फिर भी हमें अपने पात्रों को वास्तव में

अपनाने के लिए रचनात्मक स्थान देता है। पूरी कास्ट ने सेट पर बहुत गर्मजोशी लाई, और यह एक परिवार की तरह लगा। मुझे अपने अविश्वसनीय सह-कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा करना विशेष रूप से पसंद आया, जिनमें से प्रत्येक ने कहानी में कुछ अनूठा लाया। मैं दर्शकों को इस दिल को छू लेने वाली यात्रा का अनुभव कराने का इंतजार नहीं कर सकती संजय का किरदार निभाने वाले शरद केलकर ने कहा, कीर्ति के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना खास था, लेकिन जिस चीज ने मुझे सबसे ज्यादा छुआ, वह मेरी ऑन-स्क्रीन बेटी के साथ मेरा बंधन था। इसने मुझे अपनी असली बेटी के साथ अपने रिश्ते को प्रतिबिंबित करने के लिए प्रेरित किया और हमें और भी करीब लाया। सेट पर कुत्तों के साथ काम करना एक बहुत ही सुखद अनुभव था।वायरल शाह, खुद एक डॉग लवर होने के नाते, यह सुनिश्चित करते हैं कि डॉग कैरेक्टर को भी उतना ही महत्व दिया जाए जितना कि हमें दिया जाता है, जिससे यह और भी ज़्यादा दिल को छू लेने वाला बन जाता है। मुझे उम्मीद है कि हमारी फ़िल्म आपको हंसाएगी, रुलाएगी और सबसे महत्वपूर्ण बात, आपके आस-पास के प्यार को संजोएगी, चाहे वह किसी व्यक्ति से हो या पालतू जानवर से। दिल दोस्ती और डॉग्स के जियो हॉटस्टार पर रिलीज़ होने के साथ, मैं उत्साहित हूँ कि ऐसी सार्थक फ़िल्म व्यापक दर्शकों तक पहुंचेगी और प्यार फैलाएगी।

नीलिमा का किरदार निभाने पर कीर्ति ने कहा, यह अनुभव मेरे लिए वाकई खास था, खासकर इसलिए क्योंकि मैं लंबे समय के बाद अभिनय कर रही थी। शरद के साथ काम करने का अवसर मिलना इसे और भी यादगार बना देता है। एक डॉग लवर होने के नाते, इतने सारे डॉग के साथ एक फ़िल्म का हिस्सा बनना एक परम आनंद था।

विरल के विज़न ने सब कुछ सहजता से एक साथ ला दिया, और मेरे सह-कलाकारों ने इस सफ़र को और भी अविश्वसनीय बना दिया। कुणाल रॉय कपूर ने अर्जुन का किरदार निभाने पर कहा, यह फ़िल्म मेरे लिए एक सपना थी क्योंकि मैं हमेशा से पालतू जानवरों से प्यार करता रहा हूँ। मेरे किरदार की एक अनूठी कहानी है क्योंकि वह त्रुटिपूर्ण, कमजोर है और अंततः उसे पता चलता है कि प्यार कभी-कभी हिलती हुई पूंछ के रूप में आता है। मासूमी के साथ ऐसा करना वास्तव में ताज़गी देने वाला था क्योंकि वह मेज पर बहुत अधिक जीवन और रचनात्मकता लाती है। मुझे यकीन है कि जियोहॉटस्टार की पहुंच यह सुनिश्चित करेगी कि यह दिल को छू लेने वाली कहानी दर्शकों तक पहुंचे, जो वास्तव में इसके सार की सराहना करेंगे।

रेबेका का किरदार निभाने पर त्रिदा चौधरी ने कहा, हमारी फिल्म की स्टारकास्ट प्यारे दोस्त हैं। वे फिल्म को एक खुशहाल जगह बनाते हैं जहाँ हम सभी खुद को साधारण खुशियों और बिना शर्त प्यार के आराम में डूबा हुआ पाते हैं। रेबेका जैसा किरदार निभाना, जिसके पास कुत्तों और इंसानों के लिए इतनी गर्मजोशी और सहानुभूति है, कुछ ऐसा है जिसकी प्रेरणा मुझे एक प्यारे दोस्त से मिली है मैं इस फरवरी में जियोहॉटस्टार पर शुरू होने वाली दिल दोस्ती और डॉग्स का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

# फिल्म 'माय मेलबर्न' का ट्रेलर रिलीज

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड फिल्मकार कबीर खान, इम्तियाज़ अली, ओनिर और रीमा दास की फिल्म 'माय मेलबर्न' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 'माय मेलबर्न'का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है, जिसमें मेलबर्न की पृष्ठभूमि में चार अनोखी और प्रभावशाली कहानियों की झलक देखने को मिलती है। ये फिल्म मानवीय संबंधों, संघर्षों और पहचान से जुड़ी गहरी और सोचने पर मजबूर कर देने वाली कहानियों को दर्शाती है। भारत में यह फिल्म 14 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है। इस एंथोलॉजी को भारत के चार प्रतिष्ठित फिल्म निर्देशक कबीर खान, इम्तियाज़ अली, रीमा दास और ओनिर ने मिलकर बनाया है। इन चारों कहानियों को सच्ची घटनाओं से प्रेरित होकर लिखा गया है, जो मेलबर्न के विविध समुदायों को दर्शाते हुए नस्ल, लिंग, लैंगिक पहचान और दिव्यांगता जैसी सार्वभौमिक सामाजिक मुद्दों को उजागर करती हैं। चार कहानियों में ओनिर की नंदिनी,निर्देशक आरिफ अली, क्रिएटिव गाइड इम्तियाज़ अली की जूल्स, रीमा दास की एम्मा और कबीर खान की सेतारा शामिल है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | बुधवार | 26-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि जिस प्रकार भारत कृषि प्रधान देश हैं, उसी प्रकार यह ऋषि प्रधान देश रहा है। श्रमणों और संतों की यहां प्राचीन परंपराएं रही हैं। जब सूखा पड़ता है, कृषि नहीं होती तो अनाज के अभाव में भूख से हजारों-हजारों लोग बेवक्त मर जाते हैं।

# अल्पसंख्यक हक दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम भवन में 'अल्पसंख्यक हक दिवस' मनाया गया। यह दिन सभी अल्पसंख्यकों के लिए अधिकारों, कर्तव्यों और समाज में अपनी सशक्त भागीदारी पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है। जयगच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्वचन्द्रजी महाराज एवं प्रवचन प्रभावक डॉ. पदमचन्द्रजी महाराज की शिष्या जैन समणी डॉ. सुयशनिधि ने कहा कि जैन समुदाय हमेशा से अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, संयम और तप की शिक्षाओं के माध्यम से समाज को एक सकारात्मक दिशा देता आया है। लेकिन यह भी सच है कि एक अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में अपने अधिकारों की रक्षा और सामाजिक विकास के लिए संगठित रूप से कार्य करने की आवश्यकता है। सरकार द्वारा प्रदत्त विभिन्न योजनाओं का लाभ जैन समाज तभी ले सकता है, जब कर्नाटक सरकार द्वारा समस्त जैन समाज को एक रूप से अल्पसंख्यक समुदाय की श्रेणी में लिया जाय। जैन शिक्षण संस्थानों की स्थापना और विस्तार, छात्रवृत्ति और करियर मार्गदर्शन की व्यवस्था करनी चाहिए।

डॉ. समणी ने कहा कि भारत का संविधान अल्पसंख्यकों को शिक्षा, संस्कृति, धर्म और भाषा से जुड़े कई अधिकार देता है। हमें अपने अधिकारों की पूरी जानकारी होनी चाहिए ताकि किसी भी प्रकार के भेदभाव या अन्याय के खिलाफ आवाज उठा सकें। जैन मंदिरों, तीर्थस्थलों और ग्रंथों के संरक्षण हेतु सरकार द्वारा दिए जाने वाले फण्ड को जैन समाज के लिए भी आवंटित करने की विनंती की गई। समुदाय के युवाओं को स्टार्टअप, उद्यमिता और व्यापार के लिए प्रेरित करना चाहिए और अल्पसंख्यक आयोग द्वारा फंड का सहयोग होना चाहिए। इस बीच डॉ. समणी सुयशनिधि ने माइनोरिटी सर्टिफिकेट के लिए जरूरी दस्तावेज संबंधित संशोधन का भी उल्लेख किया।

जैन समणी डॉ. सुयोगनिधि भी साथ रही। इस अवसर पर धर्मीचंद बोहरा, राजेश, रेणु रांका के प्रतिनिधित्व में जैन समाज से किशोर रूणवाल, गौतमचंद ओस्तवाल, रसीला मरलेचा, कमला पुनमिया, उत्तमचंद छाजेड़, प्रकाश बाफना, पद्मश्री जैन, प्रशांत, ललित डाकलिया, अरुण रूणवाल, संतोष डूंगरवाल, अतीश धोका, रितेश पामेचा, अनीता कोठारी, निशा जैन, जितेंद्र कवाड़, महेश कसार, आनंद श्रीश्रीमाल आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। समणीवृंद ने मंत्री ज़मीर अहमद खान, चेयरमैन निसार अहमद खान, पूर्व अल्पसंख्यक चेयरमैन नसीर आदि से भी वार्तालाप किया। सभी धर्मों के धर्माचार्य द्वारा डॉ. समणी सुयशनिधि के प्रभावशाली वक्तव्य की भूरी प्रशंसा की।

# जैनाचार्य के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हुआ आयोजन

## योग और विद्याओं के सिद्ध साधक थे आचार्य बुद्धिसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसादुर्गा। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि जिस प्रकार भारत कृषि प्रधान देश हैं, उसी प्रकार यह ऋषि प्रधान देश रहा है। श्रमणों और संतों की यहां प्राचीन परंपराएं रही हैं। जब सूखा पड़ता है, कृषि नहीं होती तो अनाज के अभाव में भूख से हजारों-हजारों लोग बेवक्त मर जाते हैं। उसी तरह जहां साधु-संतों के रूप में गुरु नहीं होते, वहां धर्म और संस्कारों की परंपरा भी दम तोड़ने लगती है। इतिहास साक्षी है कि जहां-जहां साधु-संतों का आवागमन नहीं रहा, वे क्षेत्र आचरण और विचारों से पतित, शुष्क तथा धर्महीन बन गये। साधु-संत दूरदराज के इलाकों तक विहरण कर मनुष्य की शुष्क मनोभूमि पर धर्म का बीजारोपण करते हैं। वे अपने आचरण और विचारों से मानवता को ऊष्मा और ऊर्जा प्रदान करते हैं। भारतीय समाज में ऐसे हजारों-लाखों साधु-संतों और श्रमणों का गौरवशाली इतिहास है। श्वेताम्बर जैन आचार्य बुद्धिसागरसूरीश्वर भी एक ऐसा ही यशस्वी नाम है।

मंगलवार को होसदुर्गा के पास इंदिरा गांधी रेसिडेंशियल स्कूल के प्रांगण में श्राद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने आगे कहा कि गुजरात के विजापुर में एक किसान पटेल परिवार में महाशिवरात्रि के दिन आचार्य बुद्धिसागरसूरीश्वर का जन्म हुआ था। उनका परिवार मान्यता से शैवधर्मी था, लेकिन

उन्होंने जैन दीक्षा अंगीकार कर योग विद्याओं की अद्भुत साधना की थी। मात्र 24 वर्ष के अपने साधु जीवन में उन्होंने संस्कृत, प्राकृत और गुजराती में 135 ग्रंथों की रचना की थी। वे प्रतिदिन अपनी डायरी लिखते थे। उनके रचित आध्यात्मिक लोकगीत और भजन आज भी गुजरात के गांव-गांव में गये जाते हैं। उन्होंने अनेक भविष्यवाणियां लिखी थीं, जो सभी कालांतर में सत्य सिद्ध हो गयीं।

आचार्य बुद्धिसागरसूरीश्वर की एक सौ बीस वर्ष पुरानी भविष्य वाणी का उल्लेख कभी लाल किले की प्राचीर से करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि एक समय ऐसा आयेगा, जब पीने का पानी बोतलों में बंद होकर बाजार में बिकेगा। जैनाचार्य ने कहा था कि जल्दी ही भारत के सभी राजा प्रजा बन जायेंगे। उनका राजपाट समाप्त होगा। विज्ञान का इतना विकास होगा कि हजारों किलोमीटर दूर की घटनाएं क्षणभर में हमारी आंखों के सामने पहुंचेगी। मशीनें मनुष्य की तरह काम करेगी। जिसके पास अच्छी पढ़ाई होगी, वह जीतेगा। पूरे विश्व में लोकतंत्र आयेगा। ऐसे ज्ञान, बुद्धि, योग और विद्याओं के साधक आचार्य बुद्धिसागरसूरीश्वर ने राष्ट्रीय जागरण, स्वतंत्रता आंदोलन, सामाजिक उत्कर्ष, वैचारिक क्रांति, कुरीतियों के उन्मूलन, संस्कारों के सिंचन, बलिप्रथा निषेध, कन्याओं की पढ़ाई और मानवता की रक्षा के लिये जीवनभर निरंतर काम किये। उनके योगदान की सूची बहुत लंबी है।

बड़ौदा रियासत के तत्कालीन राजा सयाजीराव गायकवाड़ उनके परम भक्त थे। उनके ग्रंथ कर्मयोग के लिए बालगंगाधर लोकमान्य तिलक ने उन्हें पत्र लिखकर अभिनंदित किया था।

इस अवसर पर होसदुर्गा, चित्रदुर्गा, हिरियूर, शिवमोग्गा, बेंगलूरु आदि अनेक क्षेत्रों के श्रद्धालु उपस्थित थे। सुबह पदयात्रा करते हुए विद्यालय पहुंचकर आचार्य विमलसागरसूरीश्वर और गणि पद्मविमलसागर ने सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद प्रदान किये।

# अलसूर में होली चातुर्मास की जानकारी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अलसूरु के श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के एक प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा के नेतृत्व में तमिलनाडु में कृष्णगिरी के पास सिंगारपट्टे पहुंच कर महासतीजी श्री शशिप्रभाजी के दर्शन और विहार सेवा का लाभ लिया। साध्वीश्री शशिप्रभाजी तिरुवन्नामलाई से कृष्णागिरी की ओर विहार यात्रा कर रहे हैं। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने साध्वीजी को आचार्यश्री पार्श्वचंद्र जी म. सा. के अलसूर में होली चातुर्मास की जानकारी दी और शशिप्रभाजी से 2025 में अलसूर संघ के तत्वावधान में चातुर्मास करने हेतु पुनः विनती रखी। प्रत्युत्तर में साध्वीजी ने बताया कि चातुर्मास स्थल की घोषणा संघ आचार्य करते हैं और वे होली चातुर्मास अवसर पर घोषणा करते हैं। प्रतिनिधिमंडल में प्रकाश चंद नाहटा, धर्मीचंद बोहरा, उगमराज मुथा, गौतम चंद मरलेचा सम्मिलित थे।

# वक्तव्य शैली दर्शाती है व्यक्तित्व : मुनि मोहजीतकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां टी. दासरहल्ली सभा भवन में आचार्य महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने बोलने की कला और मृदु भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रेरणादायक मंगल उद्बोधन प्रदान किया। मुनिश्री ने कहा कि, शब्दों की शक्ति बहुत बड़ी होती है, और हमें उन्हें सटीक, सौम्य और सकारात्मक तरीके से इस्तेमाल करना चाहिए। हमारे शब्दों में छिपी शक्ति दूसरों की भावनाओं को प्रभावित करती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम हमेशा सोच-समझकर और सम्मानपूर्वक बोलें। हमारी बोली से किसी को दुख न पहुंचे, यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए। मुनिश्री ने आगे कहा कि एक व्यक्ति की पहचान उसके व्यवहार और शब्दों से होती है, और यदि हम सौम्य भाषा का प्रयोग करते हैं, तो समाज में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। शब्दों के सही प्रयोग से न केवल आत्मसंतोष मिलता है, बल्कि समाज में शांति और समरसता का वातावरण भी बनता है। हमे अपनी भाषा और व्यवहार पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि हमारा व्यवहार आदरपूर्वक एवं सौम्य रहे। इस अवसर पर तेरापंथ सभा के संरक्षक लादूलाल बाबेल, अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष कन्हैयालाल गाँधी, महिला मंडल की अध्यक्ष नेहा चावत, स्थानीय एवं निकटवर्ती क्षेत्रों से श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति रही, संचालन सभा मंत्री प्रवीण बोहरा ने किया।

# जीवन की पूर्णता शिव और शक्ति के मिलन का स्वरूप : पुण्डरीक कृष्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां गांधीनगर स्थित सिंधी पंचायत में शिवरात्रि के मौके पर चल रही संगीतमय शिव कथा के चौथे दिन मंगलवार को वृंदावन से पधारे बालव्यास श्री पुण्डरीक कृष्णजी महाराज ने भगवान शंकर और माता पार्वती के पूर्व जीवन सती चरित्र के वैवाहिक प्रसंगों को अपनी सुमधुर संगीतमय शैली में समझाया।

उन्होंने कहा कि जीवन की पूर्णता शिव शक्ति का मिलन स्वरूप है। पति-पत्नी गृहस्थी रूपी रथ के दो पहिए हैं जो संतति और सद्गति की सार्थकता को सिद्ध

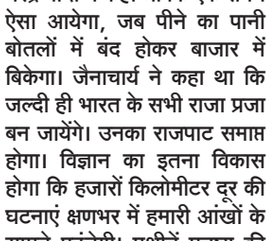

करते हैं। गृहस्थी ही जीवन की पूर्णता है। हमारे आदर्शदेव श्रीराम, श्रीकृष्ण, ब्रह्म, विष्णु ने दाम्पत्य जीवन को सार्थक किया। किंतु शिव आज्ञा पालन ना करने के कारण माता सती का महादेव से विछोह हुआ एवं उन्होंने सती का देह त्यागा।

भगवान महादेव ने भगवान श्री राम को माता सीता के हरण होने के बाद वियोग की अवस्था में देख कर भी प्रणाम किया किंतु माता सती ने सीता का रूप धारण कर रामजी की परीक्षा ली। अतएव महादेव ने मन ही मन सती का परित्याग कर दिया। इन सभी प्रसंगों के साथ कथा व्यास सहित सभी श्रोता करुणाद्र हुए।

कथा में संध्या जगदीश खंडेलवाल विनीत, विवेक कुमार, ममता अग्रवाल, मानकचंद मालवीय, नरपत राणावत, राजेश जैन, नरेन्द्र अग्रवाल आदि भक्तों ने सभी श्रोताओं के तरफ़ से शिवपूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महाशिवरात्रि के मौके पर चल रही इस कथा में एक दिन का मनोरथी बनने के इच्छुक फोन नं. 9927417681 पर संपर्क कर सकते हैं।

# शिल्पग्राम में तीन दिवसीय महोत्सव ऋतु वसंत का आयोजन 28 से

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा शिल्पग्राम में 28 फरवरी से दो मार्च तक तीन दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 'ऋतु वसंत' का आयोजन किया जाएगा। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि प्रतिदिन शाम सात बजे से मुक्ताकाशी रंगमंच पर होने वाले इस आयोजन में आमजन के लिए निःशुल्क प्रवेश रहेगा। पहले दिन, 28 फरवरी शुक्रवार को, जोधपुर के प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पं. राजेन्द्र वैष्णव अपनी सुरमयी प्रस्तुति देंगे। इसके बाद पुणे की प्रख्यात कथक नृत्यांगना शमा भाटे के दल द्वारा मंच पर कथक की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। शमा भाटे, जिन्हें 'शमा ताई' के नाम से भी जाना जाता है, कथक नृत्य के पारंपरिक और समकालीन स्वरूपों में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने बताया कि उत्सव के दूसरे दिन गोवा के जाने-माने शास्त्रीय गायक डॉ. प्रवीण गांवकर अपनी प्रस्तुति देंगे।

# किल्लारी रोड प्रीमियर लीग में आरसीएन टाइटन्स रही विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। किल्लारी रोड़ ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा किल्लारी रोड प्रीमियर लीग 3.0 का आयोजन 23 फरवरी को तावरेकेरे के आईधाम में किया गया। संस्था के अध्यक्ष सज्जनराज कोठारी, सचिव पूनम मेहता एवं एसोसिएशन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एसोसिएशन से गौरव अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक फैब्लैक्स के प्रीत शाह थे। प्रतियोगिता में कुल दस टीमों ने भाग लिया था जिसमें 150 खिलाड़ियों ने अपनी खेल भावना से सौहार्दपूर्ण खेल का प्रदर्शन किया। गणपत माली ने बताया कि प्रतियोगिता के फ़ाइनल मैच में आरसीएन टाइटन्स ने डेजेल डीम वारियर्स को हराकर खिताब अपने नाम किया। बेस्ट बल्लेबाज़ का खिताब नारायण ओझा, बेस्ट बॉलर नीलेश जैन, मैन ऑफ-द-सिरीज़ नीलेश जैन ने अपने नाम किए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

**शिव भक्त**

महाशिवरात्रि से पहले गंगा में पवित्र स्नान करने के बाद सजे-धजे कांवड़ लेकर हर की पौड़ी पर एकत्रित हुए शिव भक्त।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com